epaper.dehatsandesh.com

3 राजौरी में सेना ने शिक्षकों के सम्मान में मनाया शिक्षक दिवस

5 फिडे ग्रां प्री स्विस 2025 : गुकेश ने ड्रा खेला..

8 सुम्ब ब्लॉक में भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान की गई

मौसम जम्मू — न्यूनतम 21 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-221 | जम्मू तवी, रविवार 07 सितम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

ऑपरेशन सिंदूर भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक ज्वलंत प्रमाण है: वायुसेना प्रमुख

चेन्नई, 6, सितंबर। वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक ज्वलंत प्रमाण है और भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने यहाँ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की पासिंग आउट परेड का अवलोकन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया। कुल 130 अधिकारी कैडेट और 25 महिला अधिकारी कैडेटों को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में कमीशन दिया गया, जबकि नौ मित्र देशों की 9 और 12 महिला विदेशी अधिकारी कैडेटों ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिला। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा, जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, दो बातें निश्चित हैं - युद्ध का तेज़ी से विकसित होता स्वरूप और सैन्य शक्ति की बढ़ती प्रासंगिकता। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर हमारे अद्वितीय पराक्रम का एक ज्वलंत प्रमाण है। भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन पर तेज़, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इन बलों के भविष्य के रूप में, आपको यह समझना होगा कि रक्षा बल हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा, इन युवा अधिकारी कैडेटों का अपने सेवाकाल में पेशेवर आचरण इन प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और इस अकादमी के उच्च प्रशिक्षण मानकों का एक सशक्त प्रतिबिंब होगा। अधिकारी कैडेटों से अपील करते हुए, उन्होंने कहा, याद रखें कि हमारी ताकत केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता से नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामंजस्य से आती है। कोई भी सेवा अलग-थलग होकर नहीं चलती, चाहे वह आकाश में हो, ज़मीन पर हो या समुद्र में। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे आप सेवा में आगे बढ़ेंगे, आपको एकजुटता की भावना को और मज़बूत करते रहना होगा। प्रत्येक अधिकारी कैडेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, सुनिश्चित करें कि आप अपनी और दूसरों की भूमिका को समझें और इस मातृभूमि को गौरवान्वित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें। सैन्य और समकालिक ड्रिल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकारी कैडेटों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह अकादमी के असाधारण मानकों को दर्शाता है। बाद में, उन्होंने राज बिस्वास को स्वॉर्ड ऑफ़ ऑनर और रजत पदक, पारुल धडवाल को ओटीए स्वर्ण पदक और प्रांजल दीक्षित को कांस्य पदक प्रदान किए।

ट्रंप के रूख में बड़ा बदलाव, बोले भारत के साथ रिश्ते अहम, मोदी अच्छे दोस्त

नयी दिल्ली 06 सितम्बर। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाये जाने के बाद दोनों देशों में चल रही तनातनी के बीच पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ संबंधों को विशेष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अच्छा दोस्त बताये जाने वाले बयान और उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक जवाब के बाद इस मुद्दे के समाधान की उम्मीद बढ गयी है। श्री ट्रंप ने शुक्रवार को अपने पहले दिये गये बयान से बारह घंटे में ही पलटते हुए व्हाइट हाउस में भारत के साथ रिश्तों को बेहद खास बताते हुए कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वह महान प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों के संबंधों के बारे में श्री ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छी बनती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर नाराजगी भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी इस तरह की बातें हो जाती हैं। श्री मोदी ने शनिवार को इसके जवाब पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह श्री ट्रंप की भावनाओं का सम्मान करते हैं।

भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री ने अनंतनाग शहर और जिले के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

अनंतनाग, 6 सितंबर (। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में हुई भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए शनिवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग शहर और जिले के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उनके साथ उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, कैबिनेट मंत्री जावेद राणा, सकीना इतो अल्ताफ कालू, मजीद लारमी, डॉ. बशीर वीरी, रियाज खान और जफर खट्टाना सहित कई विधायक मौजूद थे। मुख्यमंत्री के साथ अनंतनाग के उपायुक्त सैयद फरकुद्दीन सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और घरों, सड़कों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएँगे। मुख्यमंत्री ने नुकसान का आकलन करने के लिए मेहदी कदल, देवा कॉलोनी, आशागीपोरा पुल और जिले के अन्य इलाकों का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर बहाली कार्यों में तेजी लाने और प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी देरी के आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अब स्थिति की समीक्षा के लिए डाक बंगला अनंतनाग में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगे और अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं।

संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि के बाद तलाशी अभियान शुरू

सांबा, 6 सितंबर । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के ऊपर एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9.35 बजे बारी ब्राह्मणा इलाके में एक सैन्य छावनी के ऊपर पश्चिम से पूर्व की ओर 700 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर ड्रोन देखा गया जिसके बाद तुरंत अलर्ट जारी किया गया और सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय कर दिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुलिस को भी सूचित किया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया कि हथियार या नशीले पदार्थ हवाई मार्ग से न गिराए गए हो।

जम्मू-श्रीनगर स्राजमार्ग बंद, मुगल रोड और सिंथन रोड यातायात के लिए खुले

जम्मू, 6 सितंबर । जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग आज पांचवें दिन भी यातायात के लिए बंद है जबकि मुगल रोड और सिंथन रोड यातायात के लिए खुले हैं। हालाँकि राजमार्ग को बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी बंद है। मरम्मत का काम चल रहा है। लोगों को सलाह दी जाती है कि मरम्मत का काम पूरा होने तक सड़क पर यात्रा न करें।

विभाग ने लोगों से मरम्मत का काम पूरा होने तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा न करने की अपील की है। उन्होंने लोगों को अफवाहों पर ध्यान देने से बचना चाहिए।

इसी बीच मुगल रोड, सिंथन रोड तथा एसएसजी रोड पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।

विभाग ने यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस के आधिकारिक ट्विटर, फेसबुक और टीसीयू हेल्पलाइन के माध्यम से सड़क की नवीनतम स्थिति की पुष्टि कर लें।

जम्मू संभागीय आयुक्त ने रावी नदी तटबंध पर सुरक्षात्मक कार्यों का निरीक्षण किया

कठुआ ज़िले में राहत, बाढ़ से हुए नुकसान और पुनर्स्थापना उपायों की समीक्षा भी की

कठुआ 06 सितंबर। जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने लखनपुर के पास रावी नदी के तटबंध पर चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। हाल ही में हुई मूसलाधार बारिशों के कारण इस तटबंध को गंभीर क्षति पहुँची है।

इस अवसर पर कठुआ के उपायुक्त, कठुआ के एसएसपी, एनएचएआई परियोजना निदेशक, पंजाब सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय सेना के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त ने कठुआ जिला प्रशासन, पंजाब सिंचाई विभाग, एनएचएआई और सेना के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जल प्रवाह को मोड़ने, महत्वपूर्ण ढाँचों की सुरक्षा और जीवन व संपत्ति पर जोखिम कम करने हेतु बहुआयामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

डीसी कठुआ ने आपात स्थिति और उससे निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीडीसी चेयरमैन कार्यालय, पशुपालन चेक पोस्ट व आस-पास की सरकारी इमारतों को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य चल रहा है। आवश्यक मानवबल और मशीनरी को तैनात किया गया है, जो 24 घंटे काम करते हुए कमजोर हिस्सों पर क्रेट्स उठाने और तटबंध को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर बैंक ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को 130 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश प्रदान किया

श्रीनगर, 06 सितंबर। शेयरधारकों को लाभांश भुगतान की शुरुआत करते हुए, जम्मू कश्मीर बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताव चटर्जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 122.85 करोड़ रुपये और 7.92 करोड़ रुपये के दो लाभांश चेक केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन जो बैंक का प्रवर्तक एवं प्रमुख शेयरधारक है, को भेंट किए। यह चेक राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को सौंपे गए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अटल डूल्लू, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संतोष डी. वैद्य, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मनदीप के. भंडारी और जेके बैंक के कंपनी सचिव मोहम्मद शफी मीर भी उपस्थित थे।

यह लाभांश भुगतान, जो बैंक की 87वीं वार्षिक आम बैठक में 215 प्रतिशत डिविडेंड की स्वी.ति के बाद किया गया, बैंक की वित्तीय मजबूती के साथ-साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करता है।

उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर बैंक की पूरी टीम को बधाई दी और बैंक से अपेक्षा की कि वह सतत और ठोस

उपायुक्त ने पुरमंडल से सांबा तक एनएच खंड की स्थिति का किया निरीक्षण

सांबा 06 सितंबर। हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के प्रति सक्रिय कदम उठाते हुए, सांबा की उपायुक्त आयुषी सूदन ने आज पुरमंडल मोड़ से सांबा तक राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से का व्यापक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य विभागों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन और प्रभावित लोगों के लिए शीघ्र पुनर्वास उपायों की रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया गया।

मैदानी दौरे के दौरान उपायुक्त सूदन ने हाल की भारी वर्षा से प्रभावित स्थानीय नागरिकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया, जो प्रशासन की ज़मीनी स्तर पर संपर्क और उत्तरदायी शासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने संबंधित सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निकासी तंत्र के उचित रखरखाव और सु.ढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि पानी का बहाव बाधित न हो और सार्वजनिक व निजी संपत्ति को भविष्य में नुकसान से बचाया जा सके।

बाढ़ के बाद की चुनौतियों के बीच जेएमसी ने व्यापक स्वास्थ्य परामर्श किया जारी

जम्मू, 6 सितंबर। जम्मू नगर निगम आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने जम्मू के लोगों से सतर्क रहने और निवारक उपाय अपनाने की तत्काल अपील की है क्योंकि जम्मू नगर निगम और जम्मू ज़िले के कई इलाके हाल ही में आई बाढ़ के बाद के हालात से उबर रहे हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जलजनित और वेक्टर जनित बीमारियों के प्रकोप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं और जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है।

वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे समय में पेयजल का दूषित होना एक बड़ी चिंता का विषय है और इससे पेट में संक्रमण, सिरदर्द, बुखार और दस्त जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं। इसके साथ ही इस मौसम में डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है जिनके जमा पानी वाले इलाकों में फैलने की संभावना ज़्यादा होती है।

सभी निवासियों को अपने पेयजल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करते हुए डॉ. यादव ने नागरिकों को हानिकारक सूक्ष्मजीवों को खत्म करने के लिए पीने से पहले पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालने की सलाह दी। जहाँ तक संभव हो क्लोरीन की गोलियों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और गोलियों को डालने के बाद पानी को कम से कम आधे घंटे तक बैठने देना चाहिए ओर उसके बाद ही उसे पीने या खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। निवासियों से यह भी आग्रह किया जाता है कि वे अपने आस-पास की सफाई करते रहें और छतों, आँगन और आस-पास की नालियों से जमा पानी को हटा दें क्योंकि ऐसे क्षेत्र मच्छरों के प्रजनन के लिए आदर्श होते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं और तत्काल सहायता की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 104 हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। यह हेल्पलाइन निवासियों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी और उनके स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रश्न का समाधान करेगी। इसके अलावा जम्मू नगर निगम ने मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करने और वेक्टर जनित रोगों के जोखिम को कम करने के लिए जम्मू नगर निगम के सभी वार्डों में फॉगिंग और छिड़काव गतिविधियों को चलाने के अपने प्रयासों को तेज़ कर दिया है। जनता से अपील करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि यदि फॉगिंग और छिड़काव गतिविधियाँ अभी तक उनके इलाके में नहीं पहुँची हैं तो वे तुरंत अपना क्षेत्र और वार्ड नंबर जम्मू नगर निगम हेल्पलाइन पर दर्ज कराएँ। उन्होंने कहा कि इससे अधिकारियों को उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देने में मदद मिलेगी जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है और यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक वार्ड को समय पर निवारक उपाय मिलें। उनहोंने कहा कि हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि जेएमसी हमारी स्वच्छता टीमों, स्वास्थ्य कर्मियों और सहायक कर्मचारियों के साथ समन्वित कार्यों के माध्यम से हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इन उपायों की सफलता काफी हद तक जनता के सक्रिय सहयोग पर निर्भर करती है। उन्होंने आगे कहा कि हम सब मिलकर बीमारियों को फैलने से रोक सकते हैं और सभी के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

आयकर में छूट जीएसटी सुधारों से मध्यवर्ग को होगा बड़ा लाभ : भाजपा

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि बजट में आयकर की सीमा में छूट और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से मध्यवर्गीय परिवारों को बचत के साथ बड़ा लाभ मिलने वाला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि जीएसटी सुधारों को जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी ने कार्ययोजना तैयार की जिसके तहत देश के जिलों में चौपाल लगाकर जन-जन को होने वाले फायदे की जानकारी दी जाएगी।

अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में रुक-रुक कर बारिश की संभावना

जम्मू, 6 सितंबर । मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में रुक-रुक कर बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है लेकिन 12 सितंबर तक किसी भी बड़ी मौसम गतिविधि की संभावना से इनकार किया है। पूर्वानुमान के अनुसार 6 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 7 और 8 सितंबर को जम्मू संभाग के कुछ जिलों में देर रात या सुबह के समय मध्यम बारिश या गरज के साथ छिटपुट से लेकर व्यापक बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 9 से 12 सितंबर तक कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। अपने परामर्श में विभाग ने संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की संभावना के बारे में आगाह किया है।

जम्मू शहर के लगभग 80 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति बहाल

जम्मू, 06 सितंबर। जम्मू शहर में जलापूर्ति की स्थिति में सुधार होने के बाद, निजी जल टैंकरों को तत्काल प्रभाव से स्वतंत्र रूप से संचालन की अनुमति दे दी गई है। पहले, जिले के कई हिस्सों में गंभीर जल संकट को देखते हुए, जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा के निर्देशों के बाद, निजी जल टैंकर सेवाओं को जल शक्ति विभाग के नियामक नियंत्रण में रखा गया था। यह अस्थायी कदम समान वितरण, मूल्य नियंत्रण तथा सभी नागरिकों को संकट के दौरान सुरक्षित पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। जल शक्ति विभाग, जिला प्रशासन और फील्ड स्टाफके समर्पित प्रयासों से अब लगभग 80 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जलापूर्ति बहाल हो चुकी है। शेष क्षेत्रों में जल टैंकरों की तैनाती, बोरवेल आपूर्ति और अस्थायी जल स्टेशनों जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएँ प्रभावी रूप से संचालित हैं। जल शक्ति मंत्री ने इस अवधि के दौरान निजी जल आपूर्तिकर्ताओं के सहयोग की सराहना करते हुए उनकी भूमिका को संकट नियंत्रण में महत्वपूर्ण बताया। निजी ऑपरेटरों से अपेक्षा है कि वे लागू दिशा-निर्देशों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य करेंगे। सरकार ने आश्वासन दिया है कि जलापूर्ति पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या सेवाओं के दुरुपयोग की स्थिति उत्पन्न न हो। जल शक्ति विभाग ने हर नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कठिनाई की इस अवधि में सहयोग, धैर्य और समर्थन देने के लिए जनता का धन्यवाद व्यक्त किया।

सीएम योगी का संकल्प, 2047 तक यूपी के सभी बड़े नगर होंगे सोलर सिटी

* योगी सरकार ने अक्षय ऊर्जा और वृक्षारोपण को बनाया जनआंदोलन

2030 तक 15% वक्षाच्छादन और 50% नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य

* ग्रीन हाइड्रोजन व अक्षय ऊर्जा में यूपी ने रखा वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य

लखनऊ, 06 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित यूपी@2047' विजन के तहत उत्तर प्रदेश को ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में नई दिशा देने का खाका तैयार किया है। उनका सबसे बड़ा लक्ष्य आने वाले 22 वर्षों में प्रदेश के सभी प्रमुख नगरों को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करना है। इसके साथ ही यूपी को जलवायु सहिष्णु और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला राज्य बनाने का भी संकल्प लिया गया है। सरकार ने 2017 के बाद इस स्थिति को बदलने की दिशा में बड़े कदम उठाए। अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने, हरित परिवहन को प्रोत्साहित करने और वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देने में सफलता मिली।

सतीश शर्मा ने मैरां मंदरियां, कठार ब्लॉकों का दौरा कर बाढ़ नुकसान का लिया जायज़ा

जम्मू, 06 सितंबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने ब्लॉक माइरा मंड्रियन और कठार का व्यापक दौरा कर हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसानों का जायज़ा लिया और प्रभावित परिवारों को दी जा रही राहत व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंत्री के साथ जिला प्रशासन, राजस्व, खाद्य एवं आपूर्ति, लोक निर्माण, पीएचई और ग्रामीण विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान उन्होंने डूबे हुए क्षेत्रों का निरीक्षण किया, क्षतिग्रस्त मकानों, .षि भूमि और सार्वजनिक ढांचे की स्थिति देखी तथा लोगों से उनके तत्कालीन आवश्यकताओं के बारे में संवाद किया। मंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें शीघ्र पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाली का आश्वासन दिया। उन्होंने जिला प्रशासन को मकानों, फ़सलों और पशुधन के नुकसान का स्पॉट आकलन करने और बिना देरी उचित मुआवज़ा प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न, स्वच्छ पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त आपूर्ति की आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ तैनात करने के निर्देश भी दिए। पीडब्ल्यूडी और ग्रामीण विकास विभागों को निर्देश दिया गया कि गांवों की मुख्य सड़कों से सुगम संपर्क सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलियों और लिंक मार्गों का त्वरित पुनर्स्थापन किया जाए, ताकि राहत सामग्री का शीघ्र परिवहन हो सके।

कीलों व मुंहासों से कैसे पाई जाए नजात

- हरी व रेशेदार सब्जियां भोजन में शामिल करें और अपना पेट भी साफ रखें.
- कीलमुंहासे होने पर आयोडीन का प्रयोग कम करें क्योंकि इस से इन में पस पड़ने का भय रहता है.
- जिंकयुक्त मल्टी विटामिन लें.
- तनावमुक्त रहें.
- केशों में स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कम करें. उन के प्रकार के अनुरूप शैंपू से ही उन्हें साफ करें.
- त्वचा पर आयल फ्री सौंदर्य प्रसाधनों का ही प्रयोग करें और मेकअप भी लाइट ही करें.मुंहासों को हटाने के लिए किए जाने वाले उपचार को केवल मुंहासों पर ही न कर पूरे चेहरे पर प्रयोग करें.उन आदतों को छोड़ दें, जो मुंहासों को और बढ़ाएं जैसे ठोड़ी को फोन से लगाना, अपने गंदे हाथों को चेहरे पर लगाना, बारबार चेहरे को छूना.
- मुंहासों को दबाएं या फोड़ें नहीं वरना वे और बढ़ जाएंगे और उन के सूख जाने पर चेहरे पर निशान भी पड़ जाएंगे.अपनी त्वचा के अनुरूप क्लींजर का प्रयोग करें. उस से चेहरे को प्रतिदिन 2-3 बार धोएं.चेहरे को न तो बारबार धोएं और न ही जोर से रगड़ें.

जब बालों में रूसी हो जाए

चेहरे के सौंदर्य में बालों का महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन महिलाएं उस समय चिंतित हो उठती हैं जब उनके बालों में रूसी हो जाती है. रूसी सिर की मृत त्वचा का ही एक रूप होता है जो खुश्की के कारण बालों में जम कर सिर खुजलाने तथा सिर की त्वचा को जख्मी बनाने का काम करता है. बालों को स्वस्थ, निरोग तथा सुरक्षित रखने के लिए निम्न उपायों को करिए:-

* बालों की नियमित धुलाई के लिए आंवला तथा शिकाकाई पाऊडर बना कर रख लीजिए. सिर धोने से एक घंटा पहले गर्म पानी में इस मिश्रण का घोल बना लें और उससे सिर धोएं. इससे बाल चिकने तथा स्वच्छ होते हैं.
* सिर धोने के कुछ देर बाद बालों में कुछ देर तक ब्रश करके रूसी से छुटकारा पा सकते हैं. शैम्पू करने के बाद गीले बालों में सिरके वाले पानी को डालिए और उंगली के पोरों से धीरे-धीरे मलिए. फिर शुद्ध पानी से धो डालिए. रूसी गायब हो जाएगी.
* बथुए को पानी में उबाल कर उसके पानी से सिर धोकर रूसी को भगाइए.
* एक कटोरी बेसन लेकर उसमें दो चम्मच दही डालकर थोड़े पानी के साथ घोल तैयार कर लें. इस घोल से सिर धोइए. नियमित प्रयोग से रूसी गायब होती है.
* बालों को गर्म पानी से कभी मत धोइए. इससे उनकी जड़ें कमजोर होती हैं. गीले बालों में कंघी करने से बाल कमजोर होकर टूटते हैं. बाल धोते समय पानी में एक नींबू का रस निचोड़ दीजिए. इससे सिर का मैल दूर होकर बालों की चमक को बनाए रखता है.

एक्ने सौंदर्य पर दाग

साभार : अशोक

यदि चेहरे पर मुंहासों जैसे ढेर सारे दाने पास-पास और गुच्छे की शक्ल में हों और बहुत दिनों तक बने रहे तो सावधान हो जाइए। यह एक्ने हो सकता है। अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससेबचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए।

एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते है, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलताहै। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते है। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते है और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते है। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका सिक्रीशन ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले हर बार मुंहासे निकल आते है जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते है। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते है। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते है। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते है, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सीन भी है कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिक तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते है। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिक तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं आदि के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें

खान-पान

भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे भोजन से बचें।

1. रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी कॉमीडोनिक एक्ने

इनफ्लैमेटरी एक्ने

नॉनडुलोसिस्टिक एक्ने

पहले प्रकार के एक्ने में ब्लैकहैड्स और व्हाइटहैड्स आते है। इसके उपचार के लिए रेशियोनिक एसिड क्रीम लगाने की सलाह दी जाती है छह से आठ हफ्ते में इस तरह का एक्ने ठीक हो जाता है। दूसरी तरह के एक्ने में कीलों के साथ लाल दाने हो जाते है। इसके लिए एंटीबायटिक दवाएं दी जाती है। तीसरी तरह के एक्ने में त्वचा पर सिस्ट हो जाते है। इसके लिए आईसोट्रीट्वाइन नामक कैप्सूल दिए जाते है। इस तरह के एक्ने का इलाज लगभग 8 महीने चलता है और एक महीना पूरा होने पर लगभग दस प्रतिशत अंतर नजर आने लगता है। अंतिम प्रकार के एक्ने के ठीक हो जाने के बाद चेहरे पर गड्ढेनुमा दाग पड़ जाते है, जिन्हें हटाने के लिए लेजर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है।

रंगों में फैशन

आपके साथ भी ऐसा कभी हुआ होगा कि किसी ने दूर से ही देखकर आपके परिधान की रंग की तारीफ कर दी हो। वे रंग ही हैं, जिन पर सबसे पहले लोगों की नज़र पड़ती है और जिसका असर लोगों पर लम्बे समय तक बना रहता है।

कौन-सा रंग कब पहना जाना है, अवसर क्या है, जहां जा रहे हैं, वहां का वातावरण कैसा होगा, अगर पार्टी है तो किस समय है आदि बातों का भी रंगों के चयन पर असर पड़ता है। दिन-रात और शाम का ध्यान भी रखना ज़रूरी है।

ज़रा अपने वॉर्डरोब पर एक नज़र डालिए। किस तरह के रंगों की प्रधानता दिखाई देती है? क्या आपकी अल्मारी तरह-तरह के रंगीन कपड़ों से भरी है? या सिर्फ एक-दो रंग, जिन्हें आप अक्सर पहनती हैं? ध्यान से देखें तो आप पाएंगी कि गिने-चुने रंग ऐसे हैं जिन्हें बाज़ार से आप अक्सर ले आती हैं। इसके पीछे आपकी मानसिक भावनाएं काम करती हैं। हम महसूस करें न करें लेकिन प्रतिदिन रंगों का असर हम पर होता है। नाखुश होने पर हम चुनाव करते हैं ग्रे, भूरे या फिर काले जैसे रंगों का। जानते हैं क्यों? क्योंकि उस समय यह रंग हमारी भावनाओं से मेल खाते हैं। ठीक इनके विपरीत रंगों यानी खुशरंगों का चुनाव हम हल्के मूड के दौरान करते हैं।

वैज्ञानिक रूप से यह भी पता चलता है कि आपके कपड़ों के हर रंग का एक कलर मैसेज होता है यानी एक संदेश जो सिर्फ रंग व्यक्त करते हैं और देखने वाला ग्रहण करता है। जैसे ही आप किसी समारोह या सामाजिक स्थल पर पहुंचते हैं, रंग अपना मैसेज लोगों तक पहुंचा देते हैं।

शोध ने साबित किया है कि पहना हुआ रंग, व्यक्ति की भावनाओं पर तो असर करता ही है, देखने वाले के हार्मोंस, रक्तचाप और शरीर के तापमान पर भी असर डालता है। इसीलिए सलाह दी जाती है कि अवसर देखकर रंग चुनें। जैसे किसी बिज़नेस मीटिंग के लिए चुनी गई सफेद शर्ट के साथ लाल जैकेट आपमें आत्मविश्वास और ऊर्जा दर्शाती है। लेकिन बिजनेस मीटिंग के लिए लेस लगे कुर्ते या टॉप का चुनाव सही नहीं होगा। किसी जॉब इंटरव्यू पर जाने के लिए भी सही रंग का चुनाव करना बहुत ज़रूरी होता है। यहां चटख रंग वाले कपड़े जहां साक्षात्कार लेने वाले का ध्यान भटकाएंगे, वहीं आपके व्यक्तित्व के बारे में गलत संदेश भी दे सकते हैं।

आइए, समझते हैं रंगों में निहित मुखर संदेशों को

पीला रंग- यह रंग लोगों का ध्यान आकर्षित करता है और नई शुरूआत प्रारंभ करना दर्शाता है।

लाल-पीला रंग- यह रंग ऊर्जा देता है और संवाद जारी रखने की प्रेरणा देता है।

लाल- आत्मविश्वास दिखाता है, परंतु इसका इस्तेमाल संभाल कर करना चाहिए।

मैरून- शिष्टता दर्शाता है।

मध्यम नीला- यह रंग दूसरों को सहज बनाता है और संवाद की प्रक्रिया आराम से जारी रखने में मदद करता है।

आसमानी नीला- शांति और स्थिरता का रंग।

नेवी ब्लू- यह रंग इस बात का संदेश देता है कि लोग आपको गंभीरता से लें। यह श्रोताओं को सुनने और आप पर भरोसा करने की प्रेरणा देता है।

नीला-लाल- यह बुद्धिमत्ता और नारीत्व दर्शाता है।

लाल-नारंगी- यह शक्ति, सृजनात्मकता और ऊर्जा का रंग है।

सावधानियां- रंग के चुनाव के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि वह आपकी शारीरिक बनावट और त्वचा के रंग के अनुरूप हो।

कपड़े खरीदने जाते समय खुश मूड में जाएं। अगर मन उदास होगा, तो रंगों के चयन पर उसका असर पड़ेगा।

सौंदर्य समस्याएं- उपयोगी टिप्स

सलोनी रंगत के लिए

आपकी त्वचा की रंगत यदि सलोनी है तो रात को सोने से पूर्व जैतून के तेल में जाफरान और थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर चेहरे की त्वचा के साथ गर्दन व हाथ-पैरों पर भी लगाएं, इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में आश्चर्यजनक निखार आता है।

आंखों के काले घेरों के लिए

आंखों के काले घेरे अच्छे-भले सौंदर्य को नष्ट कर देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए आप पुदीने के रस में खीरे को पीस कर भली-भांति पेस्ट बना लें और आंखों के काले घेरों पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। इसके प्रयोग से आंखों के काले घेरों की समस्या का समाधान शीघ्र हो जाएगा।

बालों की रूसी के लिए

बालों में यदि रूसी की समस्या उत्पन्न हो गई हो तो बालों को धोने से पूर्व अंडे की जर्दी बालों की जड़ों में भली-भांति लगाएं या फिर थोड़े गुनगुने पानी में सुहागा मिला लें और शैंपू करने के उपरांत इस पानी से बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके प्रयोग से बालों में रूसी की समस्या का समाधान होता है।

शुष्क त्वचा के लिए

यदि चेहरे की त्वचा शुष्क और खुरदरी है तो आप चेहरे पर दही का प्रयोग करें। वहीं त्वचा की मसाज के लिए जैतून या फिर बादाम के तेल का प्रयोग करें। इसके प्रयोग से त्वचा का खुरदरापन दूर ही नहीं होगा। बल्कि त्वचा की रंगत में भी निखार आ जाएगा।

बालों को कंडीशन करने के लिए

बालों को कंडीशन करने के लिए वैसे तो बाजार में असंख्य कंडीशनर मिल जाते हैं लेकिन घरेलू कंडीशनर के रूप में दही का प्रयोग अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है।

चेहरे की झुर्रियों के लिए

चेहरे की त्वचा पर यदि झुर्रियां पड़ गईं हों तो शहद को मास्क की भांति चेहरे पर सूखने तक लगाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

राजौरी में सेना ने शिक्षकों के सम्मान में मनाया शिक्षक दिवस

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने परोरे गुजरां (जिला राजौरी) में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करना था।

कार्यक्रम में शिक्षा के महत्व पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें बताया गया कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के जीवन को कैसे प्रेरित और परिवर्तित कर सकते हैं। इसके साथ ही शिक्षकों और छात्रों को शिक्षा क्षेत्र में सरकार की नवीनतम योजनाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें आधुनिक छात्रावास, छात्रवृत्ति योजनाएँ और अधोसंरचना विकास परियोजनाएँ शामिल रहीं।

इस आयोजन में 21 शिक्षक और 67 छात्र सक्रिय रूप से शामिल हुए। सेना की इस पहल ने न केवल शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दिया बल्कि स्थानीय समुदायों के साथ विश्वास और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया। भारतीय सेना का यह प्रयास क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सामाजिक समरसता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिक्षा को सशक्तिकरण और प्रगति का साधन मानते हुए सेना स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर के युवाओं के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने में निरंतर कार्यरत है।

सेना ने गुज्जर-बकरवाल समुदाय के लिए राहत शिविर आयोजित किया

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। भद्रवाह स्थित भारतीय सेना की इकाई ने गुज्जर और बकरवाल समुदायों की सहायता हेतु थनल्ला (भेजा) में एक विशेष वितरण शिविर का आयोजन किया।

यह पहल उन घुमंतू और वंचित परिवारों की जीवन परिस्थितियों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से की गई जो दूरदराज और बिजली रहित क्षेत्रों में निवास करते हैं।

शिविर में सेना द्वारा आवश्यक राहत सामग्री जैसे सोलर लाइट, पावर बैंक, रसोई के बर्तन और कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर सेना ने स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाया कि उनका सहयोग सदैव बिना शर्त जारी रहेगा। इस मानवीय प्रयास ने न केवल रोशनी, मोबाइल चार्जिंग और घरेलू आवश्यकताओं जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा किया, बल्कि समुदाय और सेना के बीच विश्वास व सद्भाव के रिश्ते को भी मजबूत किया।

शिविर में कुल 318 लाभार्थियों ने भाग लिया। इनमें से आठ परिवार हालिया बाढ़ में पूरी तरह से बेघर हो गए थे, जिन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई गई। प्रभावित लोगों और समुदाय ने समय पर सहायता प्रदान करने तथा संकट की घड़ी में साथ खड़े रहने के लिए भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया।

एसएमजीएस अस्पताल जम्मू में 5 दिवसीय सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। सरकारी एसएमजीएस अस्पताल, जम्मू में आयोजित पाँच दिवसीय सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस, जम्मू के निर्देशन में और जी. एक्टिव सिक्योरिटी सर्विसेज जीएमसी एवं एसोसिएटेड हॉस्पिटल, जम्मू के मैनेजिंग डायरेक्टर सैयद निसार अहमद शाह के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में अस्पताल के 150 निजी सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी गई। इसमें बेसिक फर्स्ट एड, फायर फाइटिंग तकनीक, सीपीआर और अन्य आवश्यक आपातकालीन उपाय शामिल रहे। विशेष रूप से प्राकृतिक अथवा मानवजनित आपदाओं तथा एयररस्ट्राइक जैसी परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस, जम्मू ने निजी सुरक्षा कर्मियों की संघर्ष प्रबंधन में भूमिका और संकट की स्थिति में डॉक्टरों व स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर व्याख्यान दिया। वहीं सिविल डिफेंस टीम ने प्राथमिक उपचार, आग बुझाने की तकनीक और आपदा के दौरान आपातकालीन बचाव विधियों का प्रदर्शन भी किया। इस अवसर पर जीएमसी जम्मू के प्रशासनिक अधिकारी आर.के. कटोच ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और सुरक्षा कर्मियों को संकट प्रबंधन की शिक्षा देने के लिए सिविल डिफेंस टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सिविल डिफेंस प्रमुख वार्डन परमजीत कुमार, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. दारा सिंह, डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मागोत्रा और सीनियर तकनीशियन श्री अजय शर्मा भी मौजूद रहे।

7 सितंबर को मनाई जाएगी भाद्रपद पूर्णिमा, चंद्रग्रहण और महालय श्राद्ध का भी रहेगा संयोग

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। सनातन धर्म में भाद्रपद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इस वर्ष यह पूर्णिमा 6 सितंबर की मध्यरात्रि 1-42 बजे से आरंभ होकर 7 सितंबर की रात 11:39 बजे तक रहेगी। अतः पूर्णिमा व्रत और पूजन रविवार, 7 सितंबर 2025 को संपन्न होगा। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं प्रधान ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस बार भाद्रपद पूर्णिमा पर विशेष संयोग बन रहा है। इसी दिन चंद्रग्रहण और महालय श्राद्ध का आरंभ भी होगा। चंद्रग्रहण रात 9:56 बजे से शुरू होकर देर रात 1:27 बजे तक रहेगा। इसका सूतक दोपहर 12:56 बजे से ही प्रारंभ हो जाएगा। महंत रोहित शास्त्री ने श्रद्धालुओं को सलाह दी कि वे भाद्रपद पूर्णिमा से जुड़े पूजन, श्राद्ध और चंद्रमा की आराधना दोपहर 12:50 बजे से पहले ही कर लें। इसके बाद ग्रहण का सूतक प्रभावी हो जाएगा। इस दिन भगवान श्रीगणेश, भगवान शिव, माता पार्वती, मां शारदा, भगवान विष्णु के स्वरूप श्रीसत्यनारायण जी तथा चंद्रदेव की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है।

वायु योद्धाओं को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की दूसरी बटालियन ने जम्मू स्थित अपने मुख्यालय में छह दिवसीय बुनियादी आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो विशेष रूप से 23वीं विंग वायु सेना स्टेशन, जम्मू के कर्मियों के लिए तैयार किया गया था।

1 सितंबर से शुरू हुए और 6 सितंबर, 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस प्रशिक्षण में 32 वायु योद्धाओं ने भाग लिया।

आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया में क्षमता निर्माण के लिए डिज़ाइन किए गए इस पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक सत्रों और व्यावहारिक अभ्यासों का एक व्यापक मिश्रण प्रस्तुत किया गया। पाठ्यक्रम में प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक जीवन रक्षक तकनीकों और प्रोटोकॉल पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को आपात स्थिति के दौरान तेज़ी से और कुशलता से कार्य करने के लिए ज्ञान और आत्मविश्वास से सशक्त बनाना था।

इस पाठ्यक्रम ने अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व को रेखांकित किया, जिससे सामुदायिक लचीलापन बढ़ाने में भारतीय वायु सेना और एसडीआरएफ के बीच मजबूत सहयोग को बल मिला।

उद्घाटन और समापन समारोह में दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें एसडीआरएफ द्वितीय बटालियन के कमांडेंट जाहिद मन्हास, ग्रुप कैप्टन जे एस सूदन और ग्रुप कैप्टन अम्ब्रेश पंडित शामिल थे जाहिद मन्हास ने लगातार बढ़ती और जटिल आपदाओं के दौर में तैयारी की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। समापन समारोह के दौरान जाहिद मन्हास ने कहा, हम इस तरह की सहयोगात्मक प्रशिक्षण पहलों के ज़रिए अपनी प्रतिक्रिया क्षमताओं को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कोर्स के दौरान हासिल किया गया ज्ञान और कौशल हमारे वायु योद्धाओं को मुश्किल परिस्थितियों में निर्णायक और कुशलता से काम करने में सक्षम बनाएगा।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में छात्र दीक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में छात्र दीक्षा कार्यक्रम (एसआईपी-2025) का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों का स्वागत करना और उन्हें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शफक रसूल, एसोसिएट डीन (नॉन-इंजीनियरिंग) द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके बाद छात्रों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया और दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ समारोह आगे बढ़ा। डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. (डॉ.) बलबीर सिंह ने समग्र शिक्षा और छात्र सहभागिता की महत्ता पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और दृष्टि पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से अनुशासन, नवाचार और मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की भूमिका को जिम्मेदार वैश्विक नागरिक तैयार करने में महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर छात्रों ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा लिखी शपथ भी ली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारत भूषण जिंदल, एसोसिएट डीन (इंजीनियरिंग) ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शफक रसूल ने प्रस्तुत किया। उन्होंने आयोजन टीम और यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज सेल के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नेकां नेताओं ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित बदसू और चादली इलाकों का किया दौरा

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में भूस्खलन, बाढ़ और भूमि धंसने सहित मौसम के प्रकोप से प्रभावित दंसाल की जिला उपायुक्त शमीम बेगम के साथ नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र के बदसू और चादली गाँवों का दौरा किया और नुकसान का आकलन किया और स्थानीय निवासियों से बातचीत की। गुप्ता ने व्यापक तबाही जिसमें नष्ट हुए घर, बह गई सड़कें और पशुधन और फसलों का नुकसान शामिल है को देखकर गहरी चिंता व्यक्त की।

गुप्ता ने कहा कि दंसाल के गाँवों में हमने जो देखा है वह पूरे जम्मू संभाग की स्थिति का आईना है। स्कूलों से लेकर राजमार्गों और अस्पतालों तक बाढ़ के रास्ते में आने वाली हर चीज़ तबाह हो गई है। कई घर अब रहने लायक नहीं बचे हैं। करोड़ों का नुकसान हुआ है और कोई भी त्वरित उपाय इस विनाश की भरपाई नहीं कर सकता। उन्होंने केंद्र सरकार से जम्मू संभाग के लिए एक व्यापक राहत और पुनर्वास पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया और कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस के चल रहे प्रयासों को पर्याप्त केंद्रीय धन से समर्थन दिया जाना चाहिए। बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया एआईपीडब्ल्यूएस, बांटे राहत किट

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 6 सितम्बर। अचानक आई बाढ़ से तबाह हुए परिवारों की मदद के लिए ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी आगे आई। शनिवार को संगठन ने डोडा ज़िले के भद्रवाह के लोअर भेजा क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को राशन किट वितरित किए, जहां हाल ही में मूसलधार बारिश से घरों व संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा था। संगठन के चेयरमैन अमीर इक़बाल ख़ान के मार्गदर्शन और अध्यक्ष ज़फर हुसैन वानी, महासचिव उमर फ़ारूक़ टक, मुख्य संयोजक अनिकेत शर्मा, स्वयंसेवक अब्दुल रहमान, नज़ीर अहमद शाह समेत अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में एआईपीडब्ल्यूएस के कार्यकर्ताओं ने ज़रूरी खाद्य सामग्री ज़रूरतमंदों तक पहुंचाई। एनजीओ अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मक़सद आपदा के बाद बुनियादी ज़रूरतों से जूझ रहे लोगों को तुरंत राहत मुहैया कराना है। इस मौके पर अध्यक्ष ज़फर हुसैन वानी ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए आश्वासन दिया कि संगठन तब तक मदद करता रहेगा जब तक पीड़ित पूरी तरह पुनर्वासित नहीं हो जाते। उन्होंने कहा, "यह मानवीय सेवा जात-पात, धर्म या रंग से परे है और हमारे सामुदायिक सेवा के संकल्प को दर्शाती है।

आपदा की मार झेल रहे पंचायत धनौड के लोगों ने जिला प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

कठुआ, 06 सितंबर (हि.स.)। कठुआ विधानसभा क्षेत्र की पंचायत धनौड गांव में वार्ड 5 के लोग भारी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन से लोगों के घरों तक मलबा पहुंच गया है। तबाही के डर से लोग घरों को ताले लगाकर रिश्तेदारों के घर रहने को मजबूर हो गए हैं। अभी तक किसी ने भी उनकी सुध नहीं ली है। वहीं पीडित परिवारों ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों ने बताया कि उनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और भारी बारिश के कारण पहाड़ी खिसकने से घरों का सामान तक बह

गया है। महिलाओं ने बताया कि मजबूरी में उन्हें रात को अपने रिश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ रही है क्योंकि उनके खुद के घरों में रहने से डर लगता है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि उनके बर्तन सिलेंडर और जरूरी घरेलू सामान तक नष्ट हो चुका है जिससे जीवन और मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए बताया कि अभी तक न तो कोई विधायक न कोई जनप्रतिनिधि और न ही समाज से कोई व्यक्ति उनका हाल-चाल जानने गांव पहुंचा है। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि वह तुरंत उनके गांव का दौरा करे, उनकी स्थिति का जायजा ले और राहत एवं पुनर्वास के लिए कदम उठाएं।

राजबाग पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया, जेसीबी सहित ट्रैक्टर ट्रॉली बरामद

कठुआ, 06 सितंबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस के राजबाग थाना ने चोरी के एक मामले को सुलझाए है जिसमें चोरी हुई जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली को बरामद किया गया। और इसमें दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार 02 सितंबर 2025 को सुशील कुमार पुत्र दयाल चंद निवासी बल्लनबाला छन्न रोरियन नामक एक शिकायतकर्ता ने राजबाग थाना में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी जेसीबी जिसका पंजीकरण संख्या जेके08एएम-2345 है, कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चुरा ली गई है। इस शिकायत के आधार पर धारा 303(2) बीएनएस के तहत एफआईआर 158/2025 दर्ज की गई और तुरंत जांच शुरू की गई।

बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद को आगे आया जीजीएम साइंस कॉलेज का एनसीसी विंग

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू के एनसीसी विंग ने मानवीय सेवा की मिसाल पेश करते हुए हालिया बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए चार दिवसीय राहत शिविर जारी रखा है। तीसरे दिन एनसीसी कैडेट्स ने गंभीर रूप से प्रभावित मंगू चक क्षेत्र का दौरा कर लगभग 60 जरूरतमंद परिवारों को कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। राहत दल को कॉलेज परिसर से प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट (डॉ.) देवेंद्र कुमार शर्मा (एएनओ), प्रो. पी.एस. ठाकुर और डॉ. अशाक हुसैन भी मौजूद रहे।डॉ. गुप्ता ने कैडेट्स की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी की सेवा और अनुशासन की भावना इन पहलों में स्पष्ट झलकती है। उन्होंने कहा कि हमारे कैडेट्स न केवल नेतृत्व क्षमता और प्रतिबद्धता विकसित कर रहे हैं बल्कि संकट की घड़ी में समाज के प्रति करुणा और एकजुटता भी प्रदर्शित कर रहे हैं। कॉलेज को ऐसे महान प्रयासों पर गर्व है। यह राहत अभियान जम्मू के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकतम सहायता पहुंचाने पर केंद्रित है। कैडेट्स समय पर राहत सामग्री सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। इस पहल ने यह भी दर्शाया कि आपदा प्रबंधन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी कितनी अहम है और शैक्षणिक संस्थान किस प्रकार नागरिक जिम्मेदारी व मानवीय मूल्यों को प्रेरित कर सकते हैं।जीजीएम साइंस कॉलेज का एनसीसी विंग इन प्रयासों के माध्यम से न केवल प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान कर रहा है बल्कि समाज में लचीलापन, सहानुभूति और सामुदायिक सेवा जैसे मूल्यों को भी सुदृढ़ कर रहा है जो राष्ट्र निर्माण की नींव हैं।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Union Territory of Jammu & Kashmir
Jal Shakti (Irrigation & Flood Control) Department
Office of the Executive Engineer Irrigation Division No.II Jammu
xenirrigation-div2@jk.gov.in, Tel/Fax: 0191-2457756

****

NOTICE INVITING SHORT TERM E- TENDERS

E-NIT No.: 09 of 09/2025-26

For and on behalf of Lieutenant Governor of Union Territory of Jammu and Kashmir, Executive Engineer Irrigation Division No-II, Jammu invites e-tenders in two cover system Cover 1stcontaining prequalification documents and Cover 2nd containing Price Bid from registered contractors of appropriate Class for the below mentioned work

S.No	Name of the work	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Earnest Money Deposit	Time of completion	Class of Contractor	Cost of Tender Documents (Rs.)
1.	Temporary Restoration Damaged Section in between RD 640- 800 of D-9 of Main Ranbir Canal.	14.45	3% of the Advertised Cost	15Days	A,B,C& D	1000

Position of A.A. A : Under Process
Position of T. S : Under Process
Position of Funds : Awaited
Important Dates:
i) Date of Publishing from : 04-09-2025 (18:00 PM)
ii) Downloading from : 04-09-2025 (18:00 PM)
iii) Uploading from : 04-09-2025 (18:00 PM)
iv) Uploading stops on : 10-09-2025 (06:00 PM)
v) Tender opens on : 11-09-2025 (12:00 Noon or Subjective)

1.The bidding documents can be downloaded from the website http://jktenders.gov.inw.e.f. 04-09-2025 from 18:00 PMonwards.
2.The bids shall be uploaded/ submitted in electronic format on the website http://jktendersgov.in w.e.f04-09-2025 from 18:00 PM onwards.
3.The complete bidding process will be ONLINE.
4.The tender uploaded on the website up to due date will be opened on 11-09-2025 (12:00 Noon or Subjective) in the office of the Executive Engineer Irrigation Division No-II, Jammu in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
5.Bidding documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in Bidding documents contain qualifying criteria for bidders and other details such as terms and conditions etc.

No: JID/II/2025-26/3639-3675 Dated: 04-09-2025

Sd/-
(Er. Rajeev Ghai)
Executive Engineer
Irrigation Division No. II
Jammu

DIP/J-5432/25
Dtd:7-9-2025

संपादकीय

बाढ़ के बाद सीमा पार से घुसपैठ का खतरा

जम्मू-कश्मीर सहित देश के उत्तरी भागों के विशाल क्षेत्रों में हाल ही में आई बाढ़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में लगातार हुई भारी बारिश से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, जिससे मैदानी इलाकों में तबाही मची है। नदियाँ और अन्य जलस्रोत अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बह रहे हैं और जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब दोनों के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित उनके जलग्रहण क्षेत्रों में जलभराव हो रहा है, जिससे सैकड़ों किलोमीटर लंबे सीमा क्षेत्र में लगी बाड़ को नुकसान पहुँचा है। पाकिस्तान से सटे संवेदनशील इलाकों को हुए इस नुकसान के साथ, भारत के सुरक्षा तंत्र, खासकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय सेना के सामने चुनौती काफी बढ़ गई है। बाढ़ के कारण नई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं और निगरानी ढाँचे के ढहने से बाड़ के बह जाने से सीमा पार से घुसपैठ का खतरा कई गुना बढ़ गया है, जिससे संबंधित हलकों में चिंता की घंटी बज गई है। हालात न केवल आपदा राहत के लिए, बल्कि सीमा सुरक्षा को एक बार फिर मज़बूत करने के लिए भी तत्काल कार्रवाई की माँग करते हैं। कुल मिलाकर, भारतीय सुरक्षा बलों, खासकर बीएसएफ और सेना, की यह ज़िम्मेदारी है कि वे इस नाजुक समय में, बिना एक पल भी गँवाए, भारत की सीमाओं की पवित्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करें, क्योंकि पड़ोसी देश से घुसपैठ और अन्य साज़िशों का ख़तरा मंडरा रहा है। ख़बरों के अनुसार, जम्मू और पंजाब के अग्रिम इलाकों में बाढ़ के कारण भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) की 110 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी बाड़ क्षतिग्रस्त हो गई है और लगभग 90 बीएसएफ चौकियाँ जलमग्न हो गई हैं। देश के पश्चिमी हिस्से में राजस्थान और गुजरात राज्यों से सटी 2,289 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा में से, सीमा बल जम्मू में लगभग 192 किलोमीटर और पंजाब में 553 किलोमीटर की सुरक्षा करता है। ख़बरों के अनुसार, पंजाब में लगभग 80 किलोमीटर और जम्मू में लगभग 30 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा की बाड़ बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गई है जिसने तबाही मचाई है। इन स्थानों पर बाड़ डूब गई है, उखड़ गई है या झुक गई है जिससे सुरक्षा विशेष रूप से घुसपैठ के खतरे को देखते हुए खतरे में पड़ गई है, जो पाकिस्तान के छद्म युद्ध का अभिन्न अंग है, जिसे वह पिछले कई दशकों से भारत के खिलाफ छेड़ रहा है। यह उल्लेख करना उचित है कि बाढ़ ने जम्मू में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लगभग 20 और पंजाब में 65-67 चौकियों को भी क्षतिग्रस्त या जलमग्न कर दिया है। बल के कई अग्रिम रक्षा बिंदु (एफडीपी) या ऊंचे स्थानों पर स्थित निगरानी चौकियां भी प्रभावित हुई हैं। इन सभी सुविधाओं को बहाल करना और सीमाओं की सुरक्षा के लिए कार्रवाई को और अधिक जोश और जिम्मेदारी के साथ फिर से शुरू करना आवश्यक है क्योंकि भारत सीमाओं पर सुरक्षा में कमी बर्दाश्त नहीं कर सकता क्योंकि पाकिस्तान हमेशा घुसपैठ और अन्य नापाक मंसूबों के जरिए भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का मौका तलाशता रहता है।

असहिष्णुता है, टैरिफ युद्ध की वजह

भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है

भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है। व्यापार शुल्कों में यह वृद्धि और कमी भारत के विरुद्ध एक सुनियोजित लेन-देन के रूप में देखी जा सकती है। स्पष्ट है, डोनाल्ड ट्रंप भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रहे हैं। भारत पर अमेरिकी व्यापार शुल्कों का प्रभाव बहुत बड़ा होगा

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से जारी शीतयुद्धकी समाप्ति ने अमेरिका को विश्व की एकमात्र शक्ति बना दिया था। दुनिया के लगभग सभी देश अमेरिका के इर्द-गिर्द प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहे थे। इस अवसर का लाभ उठाकर अमेरिका ने अपने पूंजी बाजार का विस्तार और पूरी दुनिया में पूंजीवाद को सक्रिय करने का प्रयास किया।

अमेरिका के उकसावे पर %विश्व व्यापार संगठन% (डब्ल्यूटीओ) ने दुनियाभर में व्यापार का विस्तार करके अमेरिकी पूंजी बाजार को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने का असफल प्रयास किया था। व्यापार के आधार पर दुनिया के बंट जाने से अमेरिका के हितों को भारी नुकसान पहुंचा। शीतयुद्ध में सोवियत संघ अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरा था, लेकिन बाद में रूस, चीन और जापान जैसी महाशक्तियां अमेरिका के सामने आईं। भारत, इजरायल और ब्राजील भी विकासशील देशों की सूची से उठकर विकसित देशों की दौड़ में शामिल हो गए। ऐसे में अमेरिका का नेतृत्व दुनिया में काफी हद तक अप्रभावी होता गया।

इसी तरह पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बाद ईरान को परमाणु शक्ति-संपन्न देशों की सूची में शामिल करने से अमेरिका का प्रभाव दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। जब व्यापार ने दुनिया को कई क्षेत्रों में बांट दिया है और इसके कारण अमेरिकी पूंजी बाजार को व्यापक नुकसान पहुंच रहा है, तब अमेरिका असहिष्णु हो गया है। इसी असहिष्णुता के परिणामस्वरूप अमेरिका ने अपने आयातों को लेकर पूरी दुनिया को फिर से एक क्षेत्र में बदलने की कोशिश शुरू कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां दुनिया के कई देशों पर व्यापार कर (टैरिफ) बढ़ाकर उनकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं वे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करके अमेरिका को फिर से दुनिया का नंबर एक देश बनाने का सपना देख रहे हैं। इसी वजह से वे अमेरिका को फिर से महान बनाओ (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन, मागा) का आह्वान कर रहे हैं।आज व्यापार पूरी दुनिया के देशों, उनकी अर्थव्यवस्थाओं और करोड़ों लोगों को नियंत्रित कर रहा है। देशों के बीच व्यापार आधारित असहिष्णुता फैल रही है। विशेष रूप से अमेरिका इस असहिष्णुता का शिकार हुआ है और इसके परिणामस्वरूप विश्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया है, जिसे कई लोग टैरिफ युद्ध या व्यापार युद्ध का नाम दे रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में 2018 से 2021 के बीच कुछ क्षेत्रों में टैक्स लगाए थे। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप 2025 से व्यापार-करों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं और अमेरिका को फिर से दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने, अमेरिकी सीमा की सुरक्षा, कनाडा और मेक्सिको के साथ संघर्ष को समाप्त करने, विश्व में शांति और स्थिरता बनाए रखने, परमाणु युद्ध की भयावहता से बचने आदि की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वे कर-युद्ध फांद रहे हैं; लेकिन इसका कारण वह नहीं है जो कहा या प्रकाशित किया जा रहा है।इस युद्ध का मुख्य कारण असहिष्णुता है। इसी वजह से अमेरिका की पहल पर दुनिया एक व्यापार युद्ध में प्रवेश कर गई है। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन पर 20 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाने के लिए आलोचना का सामना भी करना पड़ा था, जिससे अमेरिका में 60 प्रतिशत चीनी आयात प्रभावित हुए थे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा था। मई 2019 में ट्रम्प ने पड़ोसी मेक्सिको पर 25 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाने की धमकी दी थी, जिससे मेक्सिको को अमेरिकी आधीनता स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।सन् 2020 में ट्रंप प्रशासन ने कनाडा और मेक्सिको के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौता कहा जाता है, जिसने इन देशों के बीच व्यापार पर टैरिफ को समाप्त कर दिया।

इस समझौते के छह महीने बाद ट्रंप प्रशासन ने कनाडा से एल्युमीनियम आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसे कनाडा के विरोध के बाद वापस ले लिया गया। ट्रंप का पहला कार्यकाल विवादास्पद था और वे उससे सीखने में विफल रहे। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की दुनिया भर में अमेरिकी व्यापार टैरिफ का विस्तार करने के लिए आलोचना हुई। उसने दुनिया को एक और आर्थिक मंदी में धकेल दिया।भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है। व्यापार शुल्कों में यह वृद्धि और कमी भारत के विरुद्ध एक सुनियोजित लेन-देन के रूप में देखी जा सकती है। स्पष्ट है, डोनाल्ड ट्रंप भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रहे हैं। भारत पर अमेरिकी व्यापार शुल्कों का प्रभाव बहुत बड़ा होगा और इसका असर शुरू भी हो चुका है। भारत के पास अतिरिक्त कर वृद्धि से बचने का एक अवसर था, लेकिन भारत सरकार ने ट्रंप प्रशासन से इस पर चर्चा नहीं की। परिणामस्वरूप अमेरिका को भारत का वार्षिक निर्यात, जो 48 मिलियन डॉलर का है, सीधे प्रभावित होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा है कि भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 66 प्रतिशत प्रभाव पड़ेगा। इसका असर वस्त्र, परिधान, आभूषण, पशुओं की खाल, जूते, पशु उत्पाद आदि के निर्यात पर पड़ेगा।

भारत को असली नुकसान उसके पड़ोसी देशों से होगा। अमेरिका ने भारत के पड़ोसियों और अन्य एशियाई देशों जैसे चीन, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम जैसे देशों पर बहुत कम व्यापार कर लगाए हैं। उन देशों का सामान अमेरिकी बाजार में सस्ता होगा और नतीजे में ये पड़ौसी देश भारत से ज़्यादा समृद्ध होंगे। अमेरिका ने भारत में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, दवाओं और ऊर्जा उत्पादों पर कर नहीं लगाया है, लेकिन अन्य क्षेत्रों में भारत में बेरोजगारी निश्चित है।

ऐसे में भारत के पास यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व के देशों और अफ्रीकी देशों में अपने व्यापार का विस्तार करने का एक विकल्प है। भारत अमेरिकी आयात पर व्यापार कर बढ़ा सकता है।

अबकी बार (की) ट्रम्प सरकार भारतीयों को युद्धबंदी बनाकर हाथ-पैर में हथकड़ी-बेडी लगाकर वापस भेजने, ऑपरेशन सिंदूर को समाप्त करने, विश्व मंच पर भारत को कई बार अपमानजनक परिस्थितियों में डालने और भारत को नुकसान पहुंचाने के अनगिनत प्रयासों के काम कर रही है। अमेरिका के अपराधियों में से एक भारतीय साहूकार को बचाने की कोशिश में 140 करोड़ लोगों को असहनीय पीड़ा में धकेला जा रहा है। यह साहूकार प्रेम और अमेरिका की असहिष्णुता के कारण करोड़ों भारतीयों को युद्ध के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

रील्स की दुनिया और गुम होते सामाजिक आदर्श

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सामाजिक चेतना कभी गांधी, नेहरू, भगत सिंह, अंबेडकर और सुभाष जैसे महापुरुषों की कहानियों से गढ़ी जाती थी। आज वही जगह सोशल मीडिया के वायरल सितारों ने ले ली है। लाखों फॉलोअर्स और लाइक्स वाले ब्लॉगर और रील-निर्माता युवाओं के नए रोल मॉडल बन बैठे हैं। मनोरंजन के नाम पर यह संस्कृति असली आदर्शों को धुंधला कर रही है। सवाल यही है कि क्या हमारी अगली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की विरासत को याद रखेगी या सिर्फ़ ट्रेंडिंग वीडियो तक सीमित रह जाएगी?

कभी इस देश की आत्मा अपने महापुरुषों के विचारों और संघर्षों में बसती थी। हमारे आदर्श थे महात्मा गांधी, जिन्होंने सत्य और अहिंसा से साम्राज्य को हिला दिया। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद, जिन्होंने प्राणों की आहुति देकर युवाओं को साहस और बलिदान का संदेश दिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जिनकी गूंज आज भी तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा में सुनाई देती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जिन्होंने आधुनिक भारत के संविधान की नींव रखी। चौधरी छोटूराम, जिन्होंने किसानों और मजदूरों की आवाज़ बुलंद की और समाज में न्याय की लड़ाई लड़ी। यह वे लोग थे जो संघर्ष, त्याग और विचारशीलता के प्रतीक बने।

गाँव की चौपाल से लेकर शहर की बैठकों तक, हर सभा और हर संस्थान में इन्हीं महापुरुषों की तस्वीरें लगती थीं। बच्चे इन्हीं के किस्से सुनकर बड़े होते थे। समाज में जो भी व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता, वह इन आदर्शों से प्रेरणा लेता। त्याग, अनुशासन, साहस और समाजसेवा रोल मॉडल की परिभाषा हुआ करती थी। रोल मॉडल होना मतलब था दूसरों को प्रेरित करना, समाज को दिशा देना और भविष्य की पीढ़ी को ऊँचाइयों तक पहुँचाना।

समय बदल गया। तकनीक और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर उलट दी। अब रोल मॉडल का अर्थ समाज में गहरी छाप छोड़ने वाला महापुरुष नहीं, बल्कि वह व्यक्ति हो गया है जो कैमरे पर सबसे ज़्यादा शोर मचाए, जो सबसे अजीब हरकतें करे और जिसकी वीडियो सबसे ज़्यादा वायरल हो जाए। आज जिनके नाम युवा जुबान पर हैं, वे न तो किसी आंदोलन के नायक हैं और न ही किसी बड़े विचारधारा के संवाहक। वे हैं गंवार फैमिली ब्लॉग, टिंकू सूटों आली, ढिमाकाणा सिंह कूल्हे मटकाण आला जैसे किरदार, जो केवल हंसी-मज़ाक, तड़क-भड़क या दिखावे के दम पर मशहूर हो गए।

विडंबना यह है कि लोग इन्हें देखकर अपना समय, ऊर्जा और कभी-कभी अपनी सोच भी खर्च कर देते हैं। गाँव-गाँव और गली-गली में आज बच्चे और युवा इन्हीं यूट्यूब चैनलों, टिकटॉक-स्टाइल रीलों और इंस्टाग्राम लाइव वालों को अपने आदर्श मानने लगे हैं। जहाँ पहले बच्चे कहते थे कि वे बड़े होकर भगत सिंह या अंबेडकर जैसे बनना चाहते हैं, वहीं अब बहुत से बच्चे कहते मिलेंगे कि वे यूट्यूबर, ब्लॉगर या इंफ्लुएंसर बनना चाहते हैं।

सोशल मीडिया का यह चलन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे हमारे समाज की सोच और संस्कारों को प्रभावित कर रहा है। जब कोई महिला सिर्फ़ ध्यान खींचने के लिए अपने निजी रिश्तों को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करती है, जब पति-पत्नी की नोंकझोंक मनोरंजन बन जाती है, जब लुगाई लुगाई को अपणा खसम बताण लागी जैसी बातें ट्रेंड करने लगती हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा मनोरंजन और मज़ाक के नाम पर गंभीर मूल्यों से दूर होता जा रहा है।

यह बदलाव खतरनाक इसलिए है क्योंकि समाज वही बनता है जैसा वह अपने आदर्श चुनता है। अगर रोल मॉडल ऐसे लोग होंगे जो सिर्फ़ ताली और व्यूज़ के लिए अजीबोगरीब हरकतें करते हैं, तो आने वाली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की जगह केवल सस्ते लोकप्रियता के रास्ते तलाशेगी। असली मेहनत, पढ़ाई, चिंतन और सामाजिक योगदान हाशिए पर चला जाएगा।

यह कहना भी गलत नहीं होगा कि इस ट्रेंड का एक आर्थिक पहलू भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोकप्रियता को सीधा पैसे से जोड़ दिया है। जिसके वीडियो ज़्यादा चलेंगे, वह कमाई भी ज़्यादा करेगा। इस कारण लाखों युवा बिना सोचे-समझे इसी राह पर दौड़ पड़े हैं। वे समझते हैं कि समाज की सेवा करने से ज़्यादा फायदेमंद है एक मज़ाकिया वीडियो बनाना। यही कारण है कि महापुरुषों की जीवनी पढ़ने वाले युवाओं की संख्या घटती जा रही है, जबकि कंटेंट क्रिएटर बनने वाले युवाओं की भीड़ बढ़ती जा रही क्या यह स्थिति स्थायी है? क्या सचमुच समाज आदर्शों से इतनी जल्दी विमुख हो जाएगा? इसका उत्तर इतना सरल नहीं है।

इतिहास गवाह है कि हर समाज में एक समय ऐसा आता है जब मूल्य खोखले लगने लगते हैं और दिखावा ज़्यादा प्रभावी हो जाता है। अंततः वही समाज आगे बढ़ता है जो अपने सच्चे आदर्शों को याद रखता है। भारत जैसे देश में, जिसकी आत्मा स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय की लड़ाई से गढ़ी गई है, वहाँ के लोग सदा के लिए महापुरुषों को भूल नहीं सकते।

लगातार अनिश्चित हो रही विधेयकों के अनुमोदन की समय-सीमाएं

इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है ।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा राज्यपालों और राष्ट्रपति को उनके पास भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए निर्धारित तीन महीने की समय-सीमा, जिसकी अब मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संवैधानिक पीठ द्वारा पुनर्परीक्षा की जा रही है, लगातार अनिश्चित होती जा रही है।

यह मामला, जो मूल निर्णय के समय सुलझा हुआ प्रतीत हो सकता था, अब नाजुक होता जा रहा है क्योंकि राष्ट्रपति के संदर्भ की सुनवाई के माध्यम से व्यापक संवैधानिक सिद्धांत सामने आ रहे हैं। दो-न्यायाधीशों के निर्णय की स्थिरता अनिश्चित प्रतीत होती है, न केवल बड़ी पीठ के संदेह के कारण, बल्कि अप्रैल के निर्णय में निहित अस्पष्टताओं के कारण भी, जो अनपेक्षित परिणामों के द्वार खुले छोड़ देती हैं। दांव पर केवल विधायी प्रक्रियाओं की दक्षता ही नहीं, बल्कि संवैधानिक पाठ, न्यायिक रचनात्मकता और अनजाने में नए संवैधानिक मानदंडों के निर्माण के जोखिमों के बीच संतुलन भी है।

शुरू से ही, 8 अप्रैल के इस फैसले की कुछ हलकों में राज्यपालों द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोके रखने की लगातार शिकायतों के समाधान के रूप में सराहना की गई। राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेने के लिए अनिवार्य करने वाले इस आदेश को जवाबदेही बढ़ाने और कार्यपालिका की मनमानी को रोकने के रूप में देखा गया। हालांकि, इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप प्रतीत होता था, लेकिन इसमें अपनाई गई विधि, जो संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लिखित नहीं, एक कठोर समय-सीमा लागू करना–समस्याओं से भरी थी।अब राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार कर रही बड़ी पीठ ने पहले ही इस तनाव को चिह्नित कर दिया है और आगाह किया है कि समय-सीमा अनिवार्य करना वास्तव में संविधान में संशोधन के समान हो सकता है। यह तर्क इस मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है कि दस्तावेज़ के निर्माताओं ने, व्यापक बहस के बाद, संबंधित कार्यकारी प्राधिकारियों पर ऐसी सख्तियां लागू करने से जानबूझ कर परहेज़ किया था। इसके बजाय, उन्होंने दुरुपयोग को रोकने के लिए असाधारण मामलों में परंपराओं, राजनीतिक ज़िम्मेदारी और न्यायिक निगरानी पर भरोसा किया। एक निश्चित अवधि को संवैधानिक मौन मानने का प्रयास करके, दो-न्यायाधीशों की पीठ ने शायद एक ऐसी सीमा पार कर ली है जिसे नेकनीयत न्यायिक नवाचार भी उचित नहीं ठहरा सकते।

बड़ी पीठ ने एक सूक्ष्म दृष्टिकोण व्यक्त किया है। यह असाधारण विलंब के मामलों में अदालतों के हस्तक्षेप की वैधता को स्वीकार करता है, जहां सहमति न देना या निष्क्रियता स्पष्ट रूप से लोकतांत्रिक इच्छाशक्ति को नष्ट करती है। ऐसा हस्तक्षेप उपचारात्मक है, जिसका उद्देश्य संवैधानिक विघटन के विशिष्ट उदाहरणों को संबोधित करना है। हालांकि, इस मामले में विशिष्ट उपाय को हर स्थिति में लागू होने वाले एक सार्वभौमिक नियम में परिवर्तित करने से वैचारिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इससे न्यायपालिका के लिए संवैधानिक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से पुनर्लेखन करके एक विधायी कार्य संभालने का जोखिम पैदा होता है। पीठ की आशंका है कि ऐसा दृष्टिकोण संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह भविष्य में न्यायिक रूप से निर्धारित समय-सीमाओं को चुनौती देने वाले मुकदमों की संभावना को खुला छोड़ देता है, जिससे समाधान के बजाय अधिक अस्थिरता पैदा होती है।8 अप्रैल के फैसले में न्यायिक समीक्षा के अपने व्यवहार में भी अस्पष्टताएं हैं। इसने सही ही पुष्टि की कि विधेयकों को लंबित रखने में राज्यपाल का आचरण न्यायिक जांच से परे नहीं है। यह कथन इस सिद्धांत के अनुरूप है कि कोई भी संवैधानिक पदाधिकारी जवाबदेही से मुक्त नहीं है, खासकर जब निष्क्रियता प्रतिनिधि लोकतंत्र को कमजोर करती है। फिर भी, यह निर्णय ऐसी समीक्षा के दायरे को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में विफल रहा।विशेष रूप से, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या जांच केवल आचरण तक ही सीमित है–अर्थात विलंब तक–या क्या यह विधेयकों के सार को भी शामिल कर सकती है। निर्णय यह सुझाव देता प्रतीत होता है कि एक बार जब किसी विधेयक को निर्धारित अवधि बीत जाने के कारण स्वत- स्वीकृ ति मिल जाती है, तो राज्यपाल की पूर्व निष्क्रियता को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन क्या इससे संबंधित विधेयकों की विषयवस्तु, आशय और संवैधानिक वैधता की भी जांच करने का रास्ता खुलता है? यदि बिना किसी ठोस समीक्षा के स्वत- स्वीकृति प्रदान कर दी जाती है, तो संभावना है कि संदिग्ध संवैधानिक योग्यता वाले विधेयक

बिना किसी जांच के पारित हो सकते हैं। इसके विपरीत, यदि न्यायालय स्वयं विषयवस्तु की जांच में शामिल होते हैं, तो यह न्यायिक वीटो के समान हो सकता है, जो शक्तियों के पृथक्करण को कमजोर करता है।

इन विवादों को सुलझाने के लिए स्पष्ट संस्थागत रास्तों के अभाव से दुविधा और भी जटिल हो जाती है। संविधान में नियंत्रण और संतुलन की एक ऐसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है जहां राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में, राज्य के विधानों में संवैधानिक औचित्य की रक्षा में एक सीमित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, विधेयकों पर अनिश्चित काल तक रोक लगाकर इस पद का दुरुपयोग करने से यह सुरक्षा अवरोध का साधन बन गया है। इस असंतुलन को दूर करने की न्यायपालिका की प्रवृत्ति समझ में आती है, लेकिन एक कठोर ढांचा लागू करके, अप्रैल के फैसले ने एक और संतुलन- न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संशोधन के बीच की रेखा- को बिगाड़ने का प्रयास किया। वृहद पीठ की चिंता, सुविधावाद की आड़ में न्यायिक अतिक्रमण के खतरे को उजागर करती है।इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है जिसका संविधान निर्माताओं ने इरादा किया होगा, खासकर उन मामलों में जहां विधेयक जटिल संवैधानिक या नीतिगत प्रश्न उठाते हैं।

दूसरी ओर, यदि वृहद पीठ द्वारा फैसले को खारिज कर दिया जाता है, तो अनिश्चितकालीन विलंब की यथास्थिति वापस आ जाएगी, जब तक कि संसद स्वयं समय-सीमा तय करने के लिए हस्तक्षेप न करे, जो एक राजनीतिक रूप से जटिल प्रस्ताव है। किसी भी स्थिति में, गहरा सवाल अनसुलझा रहता है- जब विधेयकों में देरी हो रही हो, तो न्यायिक समीक्षा का वैध दायरा क्या होना चाहिए? क्या न्यायपालिका केवल यह आकलन करने तक सीमित है कि क्या देरी अनुचित है, या क्या वह आगे बढ़कर विधेयकों की प्रकृति की जांच कर सकती है, जब तक कि स्वीकृति न मिल जाए?

अप्रैल के फैसले में स्पष्टता की कमी से मुक़दमों की बाढ़ आने का ख़तरा है। उदाहरण के लिए, तीन महीने की राज्यपालीय चुप्पी के बाद स्वत- कानून बन जाने वाले किसी विधेयक को बाद में संवैधानिक कमज़ोरियों के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। तब अदालतों को न केवल स्वत- स्वीकृति तंत्र की वैधता पर, बल्कि स्वयं कानून की मूल संवैधानिकता पर भी निर्णय लेने के लिए कहा जाएगा। यह दो-स्तरीय मुक़दमेबाज़ी उस निश्चितता को प्रदान करने के बजाय जटिलता की परतें बढ़ाएगी जिसका दावा इस फैसले में किया गया था। यह राज्यपालों को रणनीतिक रूप से पीछे हटने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, यह जानते हुए कि विवादास्पद विधेयक, एक बार स्वत- स्वीकृति मिलने के बाद, वैसे भी न्यायिक बाधाओं का सामना करेंगे। ऐसा परिणाम विरोधाभासी रूप से उसी समस्या को और मज़बूत कर सकता है जिसका समाधान अप्रैल के फैसले में किया गया था।

बड़ी पीठ के समक्ष चल रही सुनवाई इन तनावों को दूर करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। न्यायिक रचनात्मकता लंबे समय से भारतीय संवैधानिक कानून की एक पहचान रही है, मूल संरचना सिद्धांत से लेकर मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्याओं तक। फिर भी, व्याख्या और संशोधन के बीच एक रेखा, चाहे कितनी भी धुंधली क्यों न हो, रही है। 8 अप्रैल के फैसले पर बहस उस सीमा की नाजुकता को उजागर करती है। समय-सीमाएं निर्धारित करके, दो न्यायाधीशों की पीठ ने भले ही नेकनीयती से प्रयास किया हो, शायद हद पार कर दी हो। बड़ी पीठ का सतर्क दृष्टिकोण इस जागरूकता को दर्शाता है कि संवैधानिक मौन का सम्मान किया जाना चाहिए, भले ही वे कभी-कभी कार्यपालिका के अवरोधों की अनुमति देते हों।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल घोषित, हरियाणा के 31 खिलाड़ी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने जा रही वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय पैरा एथलीट्स का मजबूत और विविधतापूर्ण दल घोषित किया गया है। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता धरमबीर नैण और डबल कांस्य पदक विजेता धाविका प्रीति पाल को भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। इस दल में सबसे अधिक खिलाड़ी हरियाणा से हैं, जहां से 31 एथलीट क्वालिफाई कर चुके हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश से 12 और गुजरात से 5 खिलाड़ी शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तराखंड से 4-4 खिलाड़ी, तमिलनाडु से 3, तेलंगाना से 2, जबकि हिमाचल प्रदेश, बिहार, नागालैंड, दिल्ली, पंजाब, मेघालय, आंध्र प्रदेश और केरल से 1-1 खिलाड़ी भारतीय दल का हिस्सा होंगे। दल का नेतृत्व स्टार जेवलिन थ्रोअर और दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल करेंगे। टीम में कई नामचीन खिलाड़ी और उभरती प्रतिभाएं शामिल हैं, जिनमें प्रवीण कुमार, निशाद कुमार, होकाटो, सिमरन शर्मा, प्रीति पाल, नवदीप, धरमबीर नैण और प्रणव सूर्मा जैसे दिग्गज शामिल हैं। यह चैंपियनशिप भारत के इतिहास का सबसे बड़ा पैरा स्पोर्टिंग इवेंट होगी, जिसमें 104 से अधिक देशों के करीब 2200 एथलीट और सपोर्ट स्टाफ 186 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला करेंगे।

एशिया कप 2025: भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 11-0 से रौंदा

हांगझोउ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 की अपनी शुरुआत बेहद शानदार अंदाज में की। पूल-बी मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में 11-0 से मात दी। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 6 सितम्बर को शाम 4:30 बजे (भारतीय समयानुसार) जापान के खिलाफ खेलेगी। भारत के लिए मुमताज खान (7', 49'), उदिता (30', 52') और ब्यूटी डुंग डुंग (45', 54') ने दो-दो गोल दागे। इनके अलावा संगीता कुमारी (10'), नवनीत कौर (16'), लालरेमसियामी (18'), शर्मिला देवी (57') और रुतुजा दादासो पिसल (60') ने भी गोल करके टीम की जीत में अहम योगदान दिया। भारत ने पहले क्वार्टर में ही दबदबा बना लिया था। मुमताज खान (7') और संगीता कुमारी (10') के फील्ड गोल से टीम ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में नवनीत कौर (16'), लालरेमसियामी (18') और उदिता (30', पेनल्टी कॉर्नर) ने गोल कर स्कोर को और आगे बढ़ाया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने लगातार दबाव बनाए रखा और चार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। इसी दौरान ब्यूटी डुंग डुंग (45') ने अपना पहला गोल किया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने एक के बाद एक पांच गोल दागकर मैच को पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इस दौरान मुमताज खान (49'), उदिता (52'), शर्मिला देवी (57'), ब्यूटी डुंग डुंग (54') और रुतुजा दादासो पिसल (60') ने गोल किए।

दिनेश कार्तिक ने चुनी भारत की ऑल टाइम टी20 एकादश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर दिनेश कार्तिक ने भारत की ऑल टाइम टी20 एकादश साझा की है। पूर्व विकेटकीपर ने उन खिलाड़ियों का संयोजन चुना है जो इस प्रारूप में भारतीय टीम के लिए अनुभवी रहे हैं लेकिन इस एकादश में सबसे ज्यादा टी20आई विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल नहीं किया गया है। कार्तिक ने ओपनिंग में अभिषेक शर्मा और रोहित शर्मा की मजबूत सलामी जोड़ी को चुना है, जो दाएं और बाएं संयोजन भी प्रदान करते हैं। इन दोनों के बाद विराट कोहली का नंबर आता है, जो 4188 रनों के साथ इस प्रारूप में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। रोहित इस मामले में 4231 रन के साथ पहले स्थान पर हैं। चौथे नंबर पर मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव को रखा है।

दिनेश कार्तिक की ऑल टाइम भारतीय एकादश :

अभिषेक शर्मा, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, युवराज सिंह, हार्दिक पांड्या, एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार

उनमें टी20 में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता, इस खिलाड़ी की टी20 वापसी पर गावस्कर खुश

नई दिल्ली। महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर टी20 प्रारूप में शुभमन गिल की एशिया कप 2025 के साथ वापसी से बिल्कुल भी हैरान नहीं। कई लोग इस बात पर हैरान थे कि गिल को टी20 में वापस बुलाया गया है जबकि उन्होंने जुलाई 2024 से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला। साथ ही 25 वर्षीय गिल को आगामी एशिया कप के लिए टीम का उप कप्तान भी नियुक्त किया गया है। गावस्कर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में गिल के शामिल होने पर कोई संदेह नहीं था और उन्होंने कहा कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में बल्ले से गिल के शानदार प्रदर्शन ने मेन इन ब्लू की टी-20 टीम में उनकी जगह लगभग पक्की कर दी है। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर कहा, 'आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की उसे देखते हुए यह कोई बड़ी बात नहीं थी। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि उनमें टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है।

यूएस ओपन 2025 के फाइनल में पहुंचे जैनिक सिनर, कार्लोस अल्कराज़ से होगा सामना

एजेंसी

न्यूयॉर्क। इटली के जैनिक सिनर ने यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 25वीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना कार्लोस अल्कराज से होगा। इससे पहले अल्कराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम पर 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच को मात दी। वहीं, सिनर भले ही कुछ मौकों पर लय से भटके लेकिन उन्होंने संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए लगातार तीसरे ग्रैंडस्लैम फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ओपन एरा (1968 से) में एक सीज़न में चारों ग्रैंडस्लैम के फाइनल तक पहुंचने वाले केवल चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले यह उपलब्धि रॉड लेवर, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने हासिल की थी। जीत के बाद सिनर ने कहा, यह मेरे लिए अद्भुत सीज़न रहा है। ग्रैंडस्लैम सबसे अहम टूर्नामेंट होते हैं और एक और फाइनल में पहुंचना शानदार है। फेलिक्स ने कड़ा मुकाबला दिया, उनकी फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता दिखी

लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। मैच में सिनर ने पहला सेट आसानी से जीता, जबकि ऑगर-अलियासिम ने दूसरा सेट जीतकर वापसी की। तीसरे सेट में सिनर ने अपनी लय वापस पाई और चौथे सेट में भी दबाव झेलते हुए शानदार सर्विस गेम के दम पर जीत हासिल की।

अब फाइनल में उनका सामना अल्कराज़ से होगा, जिनसे उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन के फाइनल में भी मुकाबला किया था। तीन साल पहले दोनों खिलाड़ी यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में भी आमने-सामने आए थे, जहां अल्कराज़ ने जीत दर्ज की थी। सिनर ने कहा, मुझे लगता है हमारी प्रतिद्वंद्विता यहीं से शुरू हुई थी। अब हम दोनों अलग खिलाड़ी हैं और एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। उम्मीद है कि फाइनल एक और यादगार मुकाबला होगा।

लीग्स कप विवाद : लुइस सुवारेज़ पर छह मैच का बैन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी लुइस सुवारेज़ पर लीग्स कप की अनुशासन समिति ने छह मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह सज़ा उन्हें पिछले सप्ताहांत सिएटल साउंडर्स के खिलाफ हुए फाइनल मैच में विवादित घटनाक्रम के चलते दी गई है। 38 वर्षीय उरुग्वे, लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व स्टार सुवारेज़ पर आरोप है कि उन्होंने मियामी की 0-3 की हार के बाद मैदान पर हुई झड़प में साउंडर्स के एक अधिकारी पर थूक दिया। समिति ने साफ किया कि यह प्रतिबंध अगले साल होने वाले लीग्स कप पर लागू होगा, जबकि मेजर लीग सॉकर चाहे तो इस पर अतिरिक्त कार्रवाई भी कर सकती है। सुवारेज़ ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर बयान जारी करते हुए माफी मांगी। उन्होंने लिखा, यह तनाव और निराशा का क्षण था। मैच खत्म होते ही ऐसी चीजें हुईं जो नहीं होनी चाहिए थीं। लेकिन यह मेरे रिएक्शन को सही नहीं ठहराता। मैं गलत था और मुझे इसका सच्चा अफसोस है। सिर्फ सुवारेज़ ही नहीं, उनके साथी

खिलाड़ी भी सज़ा के दायरे में आए हैं। सर्जियो बुस्केट्स को दो मैच, जबकि तोमास अविलेस को तीन मैच का प्रतिबंध झेलना होगा। वहीं, सिएटल साउंडर्स के कोचिंग स्टाफ सदस्य स्टीवन लेंहार्ट पर पांच मैच का बैन लगाया गया है।

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025: गुकेश ने ड्रॉ खेला, प्रज्ञानानंद ने हासिल की जीत; महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर

एजेंसी

समरकंद (उज़्बेकिस्तान)। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश को मात्र 14 वर्षीय तुर्की ग्रैंडमास्टर यागिज़ खान एर्दोगमुस ने दूसरे दौर में ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं, महिला वर्ग की मौजूदा चैंपियन आर. वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉलैंड की एलाइन रोएबर्स को पराजित कर संयुक्त बढ़त हासिल की। ओपन सेक्शन में गुकेश जीत की स्थिति में होने के बावजूद समय की कमी से जूझते हुए एर्दोगमुस से अंक बांटने पर मजबूर हुए। दूसरी ओर, शीर्ष वरीय आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी करते हुए अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज की। उन्होंने रूस पर प्रतिबंध के कारण फिडे ध्वज तले खेल रहे इवान ज़ेनल्यांस्की को पराजित किया।

8,55,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के ओपन वर्ग में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा, ईरान के परहम मागसूदलू और स्लोवेनिया के एंटोन डेमचेंको दो-दो अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। महिला वर्ग में वैशाली लगातार

दूसरी जीत के साथ दो अंकों पर पहुंच गई हैं और अब वह ऑस्ट्रिया की ओल्गा बेदेलका के साथ संयुक्त शीर्ष पर हैं। वैशाली की रेटिंग और वर्तमान फॉर्म को देखते हुए उम्मीद है कि वह जल्द ही अकेली बढ़त बना सकती हैं।यह फिडे ग्रां प्री स्विस का चौथा संस्करण है। ओपन और महिला दोनों वर्गों में शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 के फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे, जो अगली विश्व चैम्पियनशिप के दावेदार तय करेगा। 6,25,000 अमेरिकी डॉलर इनामी ओपन वर्ग (प्रथम स्थान के लिए 90,000 डॉलर) में कुल 116 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें भारतीय तिकड़ी – जीएम प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी और गुकेश – शीर्ष पर वरीयता प्राप्त हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025: सुमित, नीरज प्री-क्वार्टर फाइनल में; जैस्मिन ने भी किया शानदार आगाज़

एजेंसी

लिवरपूल। भारत ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन दमदार प्रदर्शन किया। पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में सुमित कुंडू और महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में नीरज फोगाट ने जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, महिला बॉक्सर जैस्मिन ने भी 57 किग्रा वर्ग में शानदार जीत से अंतिम-16 दौर में प्रवेश किया। सुमित ने जॉर्डन के मोहम्मद अलहुसैन को 5-0 से मात दी। दो साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में वापसी कर रहे सुमित ने आक्रामक अंदाज़ में मुकाबला खेला और लगातार दबाव बनाते हुए शानदार पावर-पैक पंच लगाए। अब सुमित का अगला मुकाबला पेरिस ओलंपियन बुल्गारिया के रामी किवान से होगा। नीरज फोगाट ने फिनलैंड की क्रिस्टा कोवालैनेन को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। नीरज ने पहले राउंड में शानदार हेड शॉट्स लगाए, हालांकि दूसरे राउंड में क्रिस्टा ने वापसी की। तीसरे और निर्णायक राउंड में नीरज ने बढ़त बनाए रखी और इंग्लैंड की साचा

हिक्की के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पेरिस ओलंपियन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप गोल्ड मेडलिस्ट जैस्मिन ने यूक्रेन की दारिया-ओल्हा हुतारीना को 5-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। पहले राउंड में धीमी शुरुआत के बाद जैस्मिन ने लय पकड़ी और जोरदार पंचों से जीत पक्की की। अब उनका मुकाबला 2023 पैन अमेरिकन गेम्स चैंपियन ब्राजील की जुसीलन सेरकेइरा से होगा। इससे पहले गुरुवार को वर्ल्ड यूथ गोल्ड मेडलिस्ट सनमाचा (70 किग्रा) ने डेनमार्क की डिटी फ्रॉस्टहोल्म को 4-1 से हराया था। अब वह कज़ाखस्तान की नताल्या बोगदानोवा से भिड़ेंगी।

पीकेएल-12 : यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को 20 अंक से हराया

एजेंसी

विशाखापट्टनम। यू मुंबा और बेंगलुरू बुल्स के बीच विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेला गया प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन का 15वां मैच इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया।

ऐसा इसलिए नहीं कि मुंबा ने एकतरफा अंदाज में बुल्स को 48-28 के अंतर से हराया बल्कि इसलिए कि मुंबा के रेडर अजीत चव्हाण (13) ने एक ही रेड में बुल्स के 6 खिलाड़ियों को आउट करके इतिहास रच दिया।

शुरुआत से ही हावी दिख रही सुनील कुमार की कप्तानी वाली मुंबा की यह चार मैचों में तीसरी जीत है जबकि बुल्स को लगातार तीसरी हार मिली है। अजीत के अलावा 200 टैकल प्वाइंट्स पूरे करने वाले रिंकू ने हाई-5 लगाया जबकि लोकेश ने चार परवेश ने 3 अंक जुटाए। बुल्स की ओर से अलीरेजा मीरजाइन और आशीष ने 6-6 अंक लिए। डिफेंस में दीपक सोनकर ने तीन अंक लिया। बहरहाल, इस एकतरफा मुकाबल में पहला अंक अजीत चौहाण ने लिया और पहला अटैक भी मुंबा ने किया। आकाश शिंदे को लपक लोकेश ने मुंबा का खाता खोला लेकिन पांचवें

मिनट तक बुल्स ने 3-3 की लीड ले ली लेकिन सतीश कन्नन के मल्टीप्वाइंटर की मदद से मुंबा ने अपनी लीड दोगुनी कर दी। आठवें मिनट में आशीष बुल्स के लिए पहली डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन लोकेश ने उनका शिकार कर स्कोर 7-3 कर दिया। फिर अजीत ने शानदार इस्केप से बुल्स को सुपर टैकल की ओर धकेल दिया अजीत की रेड पर धीरज सेल्फ आउट हुए और फिर सतीश ने बुल्स को आलआउट की ओर धकेला। 10 मिनट बाद मुंबा 10-4 से आगे थे। ब्रेक के बाद मुंबा ने आकाश का शिकार कर पहले आलआउट के साथ 13-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद अजीत ने इस सीजन की अब तक की सबस बड़ी रेड (6 अंक) के साथ बुल्स को दूसरी बार आलआउट की ओर धकेल दिया। फिर अजीत ने ही बुल्स को आलआउट कर न सिर्फ 23-7 की लीड दिला दी बल्कि सुपर-10 भी पूरा कर लिया।

मुंबा ने आलइन के बाद भी लगातार दबाव बनाए रखा और 19वें मिनट में बुल्स को एक बार फिर सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। फिर अनिल ने दीपक का शिकार कर बुल्स को आलआउट की ओर धकेला। अजीत आए और बुल्स को एक खिलाड़ी तक सीमित किया। हाफटाइम तक 29-12 से आगे थे। ब्रेक के दो मिनट बाद मुंबा ने बुल्स को तीसरी बार आलआउट कर - 33-13 की लीड ले ली। आलइन के बाद बुल्स ने लगातार तीन अंक लेकर मुश्किल दिख रही वापसी की राह पकड़ी।

उत्तर मध्य रेलवे की महिला एथलेटिक का ऊंची कूद में प्रथम स्थान

एजेंसी

प्रयागराज। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित की जा रही 90वीं इंटर रेलवे एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025-26 में उत्तर मध्य रेलवे की मानसी ने हाईजम्प में 1.81 मीटर छलांग के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। मानसी उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय के वाणिज्य विभाग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि मानसी ने इससे पूर्व 89वीं सीनियर स्टेट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025-26 में 1.82 मीटर हाईजम्प के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया था एवं बेंगलुरु में आयोजित 63वें ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 2024-25 में 1.78 मीटर हाईजम्प के साथ रजत पदक प्राप्त किया था। इस एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे से भाग ले रही टीम में टीम मैनेजर दिवाकर शुक्ला एवं टीम कोच रागिनी गौड़ अपनी टीम का उत्साह वर्धन कर रही हैं।

पीकेएल-12: 11 अंक से पिछड़ने के बाद हरियाणा की शानदार वापसी, यूपी योद्धाज को 5 अंक से हराया

एजेंसी

विशाखापट्टनम। मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 16वें मैच में यूपी योद्धाज को 37-32 से हरा दिया। खास बात यह है कि एक समय हरियाणा की टीम 11 अंक से पीछे चल रही थी लेकिन उसने हार नहीं मानी और जबरदस्त वापसी के साथ सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। हरियाणा की इस शानदार जीत के हीरो रहे उसके डिफेंडर राहुल अत्री और राहुल सेतपाल। सेतपाल ने 5 जबकि अत्री ने छह अंक बटोरे। इसके अलाव मयंक सैनी (4) और नवीन (6) ने अहम मुकाम पर अंक लेकर हरियाणा की वापसी तय की। यूपी के लिए गगन गौड़ा (13) और

हितेश (4) ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को सीजन की पहली हार से नहीं रोक सके। बेहतरीन फार्म में चल रहे गगन ने दो अंक की रेड के साथ यूपी का खाता खोला। शिवम पटारे के बोनस के बाद शिवम ने नवीन को आउट कर यूपी को 3-1 से आगे कर दिया। अगली रेड पर भवानी का शिकार हुआ तो यूपी ने पटारे को आउट कर स्कोर 4-2 कर दिया। फिर भवानी चार के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर सेतपाल को आउट कर हरियाणा को सुपर टैकल की स्थिति में लाए और फिर इसी तरह की रेड पर विनय को लपक यूपी ने 6-3 की लीड ले ली। इसके बाद यूपी ने हरियाणा को आलआउट कर 10-4 की बढ़त बना ली। आलइन के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नवीन 11वें मिनट में पहली रेड पर आए लेकिन यूपी के डिफेंस ने उनके हाथ कुछ नहीं लगने दिया। ब्रेक के बाद गगन ने सुपर रेड के साथ हरियाणा की मुश्किलें बढ़ा दीं। यूपी ने जल्द ही अपनी लीड 17-6 कर ली।

अल्कराज ने जोकोविच को हराकर यू.एस. ओपन 2025 फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

न्यूयॉर्क। दूसरे वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4), 6-2 से हराकर यू.एस. ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में दर्शकों की भारी भीड़ जुटी और मैच ने पूरी तरह उम्मीदों पर खरा उतरते हुए रोमांचक अंदाज़ पेश किया।2022 के चैंपियन अल्कराज ने मैच प्वॉइंट पर गूंजती तालियों और नारों के बीच जीत पक्की की। उन्होंने अपने से 16 साल बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दोगुने विनर शॉट लगाए। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 'एक बार फिर यू.एस. ओपन के फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है और मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह बेहद शारीरिक मुकाबला था। पहले सेट में जोकोविच शुरुआत में ही सर्व गंवा बैठे और उन्हें कोई भी ब्रेक प्वॉइंट बनाने का मौका नहीं मिला। अल्कराज ने दमदार सर्व के

साथ पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने वापसी की कोशिश की और दूसरे गेम में शानदार बैकहैंड से ब्रेक हासिल किया। लेकिन अल्कराज ने पांचवें गेम में लंबी रैली जीतकर ब्रेक प्वॉइंट बनाया और बढ़त वापस ले ली। टाईब्रेक में 0-2 से पिछड़ने के बाद जोकोविच ने शानदार नेट प्ले दिखाकर भीड़ को खुश किया, मगर अल्कराज ने लगातार दो दमदार सर्विस से बढ़त बनाए रखी और दूसरा सेट भी जीत लिया। तीसरे सेट में जोकोविच की डबल फॉल्ट ने अल्कराज को शुरुआती बढ़त दी। आखिरकार, एक और डबल फॉल्ट और चौड़े फोरहैंड ने मुकाबले का अंत किया। मैच के बाद जोकोविच ने मुस्कुराते हुए जाल पर झुककर अल्कराज को बधाई दी। अब फाइनल में अल्कराज का मुकाबला मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और कनाडा के 25वें वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच विजेता से होगा।

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को यो-यो टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसे पहली बार विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। यह एक बहु-चरणीय फिटनेस टेस्ट है जो किसी खिलाड़ी की सहनशक्ति और फिटनेस के स्तर को मापता है और BCCI ने गंभीर की निगरानी में इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। विराट कोहली को छोड़कर लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) पहुंचे और अपना फिटनेस टेस्ट दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 19.4 अंकों के साथ अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। लेकिन क्या सच में रोहित ने 19 अंकों का आंकड़ा पार कोहली के यो-यो स्कोर को पीछे छोड़ दिया हैं? रोहित शर्मा के 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी अफवाहें झूठी हैं, क्योंकि BCCI की सख्त नीतियां हैं और क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी उजागर करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में, यहां तक कि शासी निकाय (BCCI) भी अपने स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो खिलाड़ी को दंडित किया जाता है और उसे बाहर भी किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना कि रोहित ने यो-यो टेस्ट में 19 अंक के आंकड़े को पार कर लिया है, यह गलत होगा क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

हॉकी इंडिया ने वंदना कटारिया और ललित उपाध्याय को किया सम्मानित

एजेंसी

राजगीर। हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के दो दिग्गज खिलाड़ियों- भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व फॉरवर्ड वंदना कटारिया और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय को उनके शानदार करियर और खेल में योगदान के लिए सम्मानित किया। हाल ही में दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की थी। यह सम्मान समारोह बिहार के राजगीर में चल रहे हीरो मेन्स एशिया कप राजगीर 2025 के दौरान आयोजित किया गया। इस मौके पर हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को सम्मान स्वरूप 5-5 लाख रुपये के चेक प्रदान किए। वंदना कटारिया ने अप्रैल 2025 में संन्यास लिया था। 15 साल लंबे करियर में उन्होंने 320 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 158 गोल दागे। वह भारतीय महिला हॉकी की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली वंदना भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों का अहम हिस्सा रहीं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के चौथे स्थान पर रहने की सफलता के दौरान उन्होंने हैट्रिक लगाकर इतिहास रचा था। सम्मान पाकर भावुक वंदना ने कहा, 'भारत की जर्सी पहनकर देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा। हॉकी ने मुझे सबकुछ दिया है और मैं इन यादों को हमेशा संजोकर रखूंगी। यह सम्मान मेरे सभी साथियों, परिवार, कोच और प्रशंसकों का है जिन्होंने मुझे लगातार प्रेरित किया।' ललित कुमार उपाध्याय ने जून 2025 में अपने करियर को

अलविदा कहा। 2014 से 11 वर्षों तक भारतीय टीम का हिस्सा रहे ललित ने 183 मैचों में 67 गोल किए। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के ब्रॉन्ज मेडल विजेता दल का अहम हिस्सा रहे और एक भरोसेमंद फॉरवर्ड के रूप में पहचाने गए। ललित ने कहा, वाराणसी के छोटे से गांव से ओलंपिक पोडियम तक का सफर मेरे लिए अविस्मरणीय रहा। यह सम्मान मेरे परिवार, कोचों, साथियों और हॉकी इंडिया का है। मैं हमेशा हॉकी के लिए योगदान देने को तैयार रहूंगा।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, वंदना और ललित दोनों भारतीय हॉकी के बेहतरीन ब्रांड एंबेसडर रहे हैं। वंदना ने अपनी निडरता और खेल से लाखों को प्रेरित किया, जबकि ललित ने पुरुष टीम को मजबूती और धार दी। हॉकी इंडिया उनकी शानदार सेवाओं के लिए आभार व्यक्त करता है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने जोड़ा, दोनों खिलाड़ी भारतीय हॉकी की असली पहचान हैं - जज्बा, संकल्प और उत्कृष्टता। उनका योगदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। हॉकी इंडिया को उन पर गर्व है और हम उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 13 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव और टैरिफ संबंधी आशंकाओं की वजह से विदेशी निवेशक इस साल लगातार घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली करके अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। इस वजह से बाजार में उनकी हिस्सेदारी भी लगातार कम हो रही है। अगस्त के महीने में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 13 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी अभी तक सबसे ऊंचे स्तर पर है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने में विदेशी निवेशकों की गई बिकवाली के चलते अब भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो असेट्स 70.33 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गए हैं, जबकि 1 महीने पहले भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो असेट्स 71.97 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर थे। यानी अगस्त के महीने में इसमें लगभग 2.30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने के अंत तक विदेशी निवेशकों के हिस्सेदारी भारतीय शेयर बाजार में घटकर 15.85 प्रतिशत रह गई है। विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी जहां लगातार घट रही है, वहीं भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेश को हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है।

लेज ने चमिट्टी की चिट्ठी' पहल के जरिए भारतीय किसानों को किया सम्मानित, स्पेशल पैक किए लॉन्च

नई दिल्ली। पेप्सिको इंडिया के पोटैटो चिप्स ब्रांड्स लेज ने भारतीय किसानों के चित्रों वाली एक सीमित-संस्करण पैक लॉन्च किए हैं। ये पैक आलू उगाने वालों और उन्हें खाने वालों के बीच के संबंध को उजागर करते हैं। सीमित समय के लिए चुनिंदा बाजारों में उपलब्ध ये लिमिटेड एडिशन क्लासिक साल्टेड पैक अब देशभर के रिटेल स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इसकी कीमत 50 रुपये है। लेज ने मिट्टी से मुस्कान तक की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए पहली बार लिमिटेड एडिशन पैक पेश किया है। इस पैक में भारतीय किसानों को दर्शाया गया है। लेज ने अपने प्रतिष्ठित पैक को एक कहानी कहने वाले कैनवास में बदल दिया है, जिससे आलू उगाने वाले किसानों और उन्हें खाने वाले उपभोक्ताओं के बीच जुड़ाव और गहरा हो गया है। प्रत्येक पैक उपभोक्ताओं को उत्पाद का आनंद लेने के साथ-साथ खेत से लेकर पैक तक की यात्रा के बारे में जानने का अवसर देता है। लेज के इन पैक की खासियत हैं पुरुष और महिला किसानों के हाथ से बने चित्र, जिनके चारों ओर खेती और फसल कटाई के जीवंत दृश्य दर्शाए गए हैं, जो मिट्टी से स्नैक तक की यात्रा को जीवंत कर देते हैं। लेज का यह सीमित संस्करण वाले पैक उपभोक्ताओं के लिए मिट्टी की चिट्ठी लेकर आए हैं। लेज की एक फिल्म जो किसान और जमीन के बीच के रिश्ते को दर्शाती है।

रुपया नए निचले स्तर पर, डॉलर के मुकाबले 11 पैसे गिरकर 88.27 पर बंद हुई भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली करने और भारत के आईटी सेक्टर पर अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने की आशंका की वजह से भारतीय मुद्रा रुपये डॉलर की तुलना में अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। भारतीय मुद्रा रुपये ने आज डॉलर की तुलना में 11 पैसे फिसल कर सबसे कमजोर क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 88.27 (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त के साथ 88.10 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। हालांकि आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता गया, जिसकी वजह से रुपये की गिरावट बढ़ती चली गई। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से अपने पैसे की निकासी करने और अमेरिका द्वारा भारत के आईटी सेक्टर पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की अफवाह की वजह से मुद्रा बाजार में रुपये पर काफी दबाव बढ़ गया। इस अफवाह की वजह से रुपया डॉलर की तुलना में अभी तक सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर गया। हालांकि बाद में अतिरिक्त टैरिफ से जुड़ी खबरों का खंडन आने के बाद रुपये की स्थिति में कुछ सुधार हुआ।

चार्टर्ड स्पीड ने 855 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली। अहमदाबाद की चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 855 करोड़ रुपये जुटाने की है। शेयरों को एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक पांच रुपये अंकित मूल्य वाले प्रस्तावित ये इश्यू 655 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम और प्रमोटरों पंकज गांधी और अलका पंकज गांधी का क्रमशः 200 करोड़ रुपये तक के बिक्री प्रस्ताव है। इसमें पात्र कर्मचारियों का सदस्यता आरक्षण भी शामिल है, जबकि कर्मचारी आरक्षण वाले हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट भी दी जा रही है। कंपनी 655 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग 98 करोड़ रुपये मूल्य की इलेक्ट्रिक बसों में निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी 396.4 करोड़ रुपये का कुछ उधारों का पूर्व-भुगतान या पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में आया 32,500 करोड़ का निवेश, 17,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र आया 32,500 करोड़ का निवेश आया है। यह प्रदेश सरकार की निवेश परक सार्थक प्रयासों और विकासउन्मुख नीतियों सकारात्मक परिणाम बताया जा रहा है। टोरेंट पॉवर और अडानी पॉवर जैसी बड़ी कंपनियों ने तो अब ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रदेश में काम करना भी शुरू कर दिया है। टोरेंट पॉवर कंपनी 22 हजार करोड़ और अडानी पॉवर कंपनी 10 हजार 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 17,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। जनसंपर्क अधिकारी क्रांतिदीप अलूने ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवेश संवर्धन प्रयासों के फलस्वरुप ऊर्जा क्षेत्र और ज्यादा मजबूत हो रहा है। ऊर्जा सुरक्षा बढ़ रही है। मध्य प्रदेश पॉवर सरप्लस राज्य के रूप में पहचान बना चुका

है। ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से अब इस क्षेत्र में नया निवेश आ रहा है। उन्होंने बताया कि टोरेंट पॉवर 1600 मेगावॉट थर्मल प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश में 22 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। टोरेंट पॉवर लिमिटेड को एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) से 1,600 मेगावॉट के कोयला आधारित बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) दे दिया है। यह अहमदाबाद-स्थित समूह द्वारा बिजली क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। अलूने ने बताया कि यह परियोजना ग्रीनफील्ड 2×800 मेगावॉट की अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित होगी और इसे डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा।

टोरेंट इस संयंत्र की पूरी क्षमता एमपीपीएमसीएल को 25 साल की पॉवर परचेज एग्रीमेंट पॉवर परचेस एग्रीमेंट के तहत 5.829 रुपये प्रति यूनिट की दर से आपूर्ति करेगा। यह परियोजना पीपीए पर हस्ताक्षर होने के 72 महीनों के भीतर चालू होनी है। परियोजना लागत का लगभग 70फीसदी ऋण के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के स्वदेशी अभियान को नागपुर सम्मेलन में मिलेगी धारः प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से थोपा गया टैरिफ एक चुनौती नहीं, बल्कि अवसर है। खंडेलवाल ने यहां कांस्टीट्यूशन क्लब में कैट, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, हॉकर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता मोर्चा द्वारा आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग यह प्रण लेता है कि हर दुकान, हर बाजार, हर रेहड़ी पर स्वदेशी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विदेशी वस्तुओं का विकल्प केवल स्वदेशी ही होगा। अमेरिकी टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार एवं उपभोग को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त रूप से घोषणा की गई कि 15 और 16 सितंबर को नागपुर में ÷व्यापारी जुटान -राष्ट्रीय सम्मेलन' आयोजित होगा, जिसमें देशभर से 400 से अधिक व्यापारी नेताओं, हॉकर्स संगठनों, उपभोक्ता मंचों एवं उद्योग प्रतिनिधियों की मौजूदगी होगी। इस सम्मेलन के बाद राष्ट्रीय स्वदेशी अभियान पूरे देश के गांव-गांव, कस्बों और शहरों तक चलाया जाएगा। व्यापारी जुटान को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि देशभर में 10 करोड़ से अधिक व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले और छोटे रिटेल व्यवसायी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 82 लाख करोड़ रुपये के व्यापार से जुड़े हैं। आने वाले 10 वर्षों में यह आंकड़ा 190 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन अमेजन और वालमार्ट जैसी बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियां अवैध माध्यम से बाजार में घुसपैठ कर रही हैं, जिससे छोटे व्यापारी गंभीर संकट में हैं।

जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर और जेआईसीए के प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात के मुख्यमंत्री से की भेंट

एजेंसी

अहमदाबाद। जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर सासाकी जून के नेतृत्व में जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) के प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2025 में सहभागी होने के लिए भारत आया है। इस बीच प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात में कार्यरत जापानी सेमीकॉन इंडस्ट्रीज की यात्रा की। यह प्रतिनिधिमंडल धोलेरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसआईआर) में कार्यरत सेमीकॉन उद्योगों की साइट भ्रमण करने के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मिला। उसने राज्य सरकार द्वारा जापानी उद्योगों को मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया। राज्य में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के तेजी से बढ़ रहे दायरे से भी यह प्रतिनिधिमंडल प्रभावित हुआ है।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक-चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-जापान के बीच द्विपक्षीय संबंधों से राज्य में

सेमीकंडक्टर सेक्टर में जापानी उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। गुजरात चार सेमीकंडक्टर प्लांट वाला राज्य है और सेमीकंडक्टर हब बनने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है।इस संदर्भ में उन्होंने राज्य में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जापान के इवाते प्रीफेक्चर के साथ टेक्निकल सपोर्ट तथा स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रैक्टिकल नॉलेज, उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालीन परस्पर सहयोग की उत्सुकता व्यक्त की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम. के. दास, वित्त विभाग के प्रधान सचिव टी. नटराजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव पी. भारती तथा वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

भारतीय कपड़ा उद्योग पर कितनी है संकट की घड़ी अमेरिकी टैरिफ का विकल्प हैं 40 नए बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका ने हाल ही में भारतीय कपड़ा और परिधान उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक का भारी-भरकम टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। यह फैसला केवल एक व्यापारिक कदम नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार समीकरणों में बदलते संतुलन का भी प्रतीक है। इस निर्णय ने भारतीय कपड़ा उद्योग को चिंता में डाल दिया है, क्योंकि अमेरिका भारत के लिए वर्षों से एक प्रमुख निर्यात बाजार रहा है। लेकिन हर संकट अपने भीतर अवसर भी छिपाए होता है। सवाल यह है कि क्या भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाएगा? क्या हमारे कपड़ा निर्यातक अमेरिकी बाजार पर निर्भरता घटाकर नए बाजारों में टिकाऊ पैठ बना सकेंगे? और क्या केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस विशाल उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत बना पाएंगी?भारतीय कपड़ा उद्योग का अतीत इस संबंध में बताता है कि यह क्षेत्र कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटने वाला नहीं है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चरमरा गई थी और लाखों श्रमिकों की रोजी-रोटी पर संकट मंडरा रहा था, तब भी यही उद्योग धीरे-धीरे उठ खड़ा हुआ और आज पहले से अधिक मजबूत दिखाई देता है। यही वजह है कि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह का दावा है कि अमेरिकी टैरिफ से झटका जरूर लगेगा, लेकिन यह पूरे उद्योग को डिगा नहीं पाएगा। भारत का कुल कपड़ा और परिधान निर्यात लगभग 40 से 45 बिलियन डॉलर का है। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी केवल 8 से 10 प्रतिशत है। इस हिस्से में भी 50 से 60 प्रतिशत निर्यात सिर्फ 5 से 7 बड़े व्यापारी करते हैं। यानी अमेरिका पर निर्भरता इतनी व्यापक नहीं है जितनी दिखाई देती है। दरअसल, इसका अर्थ यह हुआ कि बड़े निर्यातक तो प्रभावित होंगे, लेकिन छोटे और मध्यम स्तर के व्यापारी तुलनात्मक रूप से कम संकट में रहेंगे। फिर भी यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिकी टैरिफ ने प्रतिस्पर्धा की चुनौती को और बढ़ा दिया है। अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और तुर्की जैसे देशों की पकड़ पहले से ही मजबूत है। जब भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगेगा, तो अमेरिकी खरीदार विकल्प तलाशने में देर नहीं करेंगे। ऐसे में भारत को अपनी रणनीति बदलनी ही होगी। यही वजह है कि सरकार ने इस चुनौती का जवाब बाजार विविधीकरण के रूप में दिया है। कपड़ा मंत्रालय ने 40 नए संभावित बाजारों की पहचान की है, जिनमें यूनाइटेड किंगडम, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड्स, पोलैंड, कनाडा, मैक्सिको, बेल्जियम, तुर्की और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं।

तूतुकोडी का वीओसी बंदरगाह बना देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाला बंदरगाह

एजेंसी

तूतुकोडी (तमिलनाडु)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज यहां वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर देश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना शुरू की, जिससे यह बंदरगाह ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन करने वाला पहला बंदरगाह बन गया।इस मौके पर सोनोवाल ने 35.34 करोड़ रुपये की हरित मेथनॉल बंकरिंग सुविधा, 59.20 करोड़ रुपये का 6 मेगावाट पवन फार्म, 90 करोड़ रुपये का मल्टी-कार्गो बर्थ, 34.77 करोड़ रुपये की 4-लेन सड़क और 3 करोड़ रुपये का तमिलनाडु समुद्री विरासत संग्रहालय की नींव भी रखी। साथ ही, 1.46 करोड़ रुपये का 400 किलोवाट रूफटॉप सौर संयंत्र और 24.50 करोड़ रुपये का कोल जेटी-कन्वेयर सिस्टम भी शुरू किया। उन्होंने रेल कनेक्टिविटी के लिए आईपीआरसीएल और हरित

मोबिलिटी के लिए एनटीपीसी के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

इसके तहत 3.87 करोड़ रुपये की हरित हाइड्रोजन परियोजना बंदरगाह की स्ट्रीट लाइटों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हाइड्रोजन बनाएगी, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेट-जीरो मिशन को बढ़ावा देगी। हरित मेथनॉल परियोजना कांडला तूतीकोरिन हरित शिपिंग कॉरिडोर में सहयोगी साबित होगी। इस सौर संयंत्र से बंदरगाह की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 1.04 मेगावाट हो गई, जो देश के बंदरगाहों में सबसे ज्यादा है। ये परियोजनाएं तमिलनाडु में हजारों नौकरियां पैदा करेंगी, व्यापार बढ़ाएंगी और 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगी। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समुद्री क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। साल 2047 तक विकसित भारत की उनकी अपील /आह्वान गति, पैमाने, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का मिश्रण है। तमिलनाडु में शुरू की जा रही परियोजनाएं हजारों रोजगार सृजित करेंगी, व्यापार को बढ़ावा देंगी और वैश्विक निवेश आकर्षित करेंगी। इससे तमिलनाडु 2027 तक भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में योगदान देगा। वीओसी बंदरगाह नवीकरणीय ऊर्जा और हरित बंकरिंग के साथ भारत का हरित हाइड्रोजन और अमोनिया केंद्र बनेगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन' करेगा वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के शीर्ष नेतृत्व के साथ अगली पीढ़ी के बैंकिंग सुधारों पर दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन' करेगा। 12 सितंबर से शुरू होने वाले 'पीएसबी मंथन' में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शीर्ष प्रबंधन के लोग भाग लेंगे। इसका मकसद देश में बैंकिंग गतिविधियों को आसान बनाना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के शीर्ष नेतृत्व के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों को गति देने के लिए बैंकों के साथ इस तरह का पिछला मंथन अप्रैल, 2022 में आयोजित किया गया था। तब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संपूर्ण नेतृत्व ने वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की देखरेख में उन्नत पहुंच और सेवा उत्कृष्टता (ईज) सुधारों को अगले स्तर तक ले जाने पर चर्चा की गई थी। च्ईज' नवंबर 2017 में आयोजित च्पीएसबी मंथन' की सिफारिशों पर आधारित है। पिछले मंथन में पीएसबी के कामकाज की समीक्षा करने और ग्राहक सेवा, डिजिटलीकरण, मानव संसाधन प्रोत्साहन, कॉरपोरेट प्रशासन

और सहयोग में सुधार के उपाय सुझाने के लिए छह कार्य समूहों का गठन किया गया था। पीएसबी मंथन का नया दौर पीएसयू बैंकों के संचयी लाभ के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने की पृष्ठभूमि में आयोजित होगा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 26 फीसदी की वृद्धि है।

रेनॉल्ट भी कार की कीमतों में करेगी 96,395 रुपये की कटौती, नई दरें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा और रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से शुरू होने वाली सभी कारों की डिलीवरी पर लागू होंगी। हालांकि, देशभर के डीलरशिप पर संशोधित कीमतों पर बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि वह अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती करेगी, जिससे हाल ही में जीएसटी की दरों में की गई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को मिलेगा। कंपनी ने कहा कि नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाली सभी डिलीवरी पर लागू होंगी। रेनॉल्ट इंडिया के एमडी वेंकटराम मामिलपल्ले ने जारी बयान में कहा, जीएसटी 2.0 का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ग्राहकों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि यह समय पर की गई पहल न केवल हमारी

कारों को और अधिक सुलभ बनाएगी, बल्कि त्योहारी सीज़न के दौरान मांग को भी बढ़ावा देगी। नई जीएसटी व्यवस्था के तहत छोटी कारों पर 18 फीसदी, जबकि बड़ी कारों पर 40 फीसदी जीएसटी लगेगा। कंपनी के नवीनतम संशोधनों के साथ रेनॉल्ट इंडिया के मॉडल अब पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं। एंट्री-लेवल पर रेनॉल्ट क्विड की शुरुआती कीमत अब केवल 4.29 लाख रुपये है, जबकि रेनॉल्ट काइगर और रेनॉल्ट ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। वेरिएंट के आधार पर कीमतों में 40,095 रुपये से लेकर 96,395 रुपये तक की कटौती की गई है। 22 सितंबर से नई कर दरें लागू होने के साथ ऑटो कंपनियां ग्राहकों को जीएसटी का लाभ देने की तैयारी कर रही हैं। इसी के तहत टाटा मोटर्स ने शुक्रवार देर रात अपनी कारों की कीमतों में 1.40 लाख रुपये की कटौती की घोषणा की थी। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज कहा कि वह कीमत में 1.56 लाख रुपये तक की कटौती करेगी और इसका पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। वहीं, मारुति सुजुकी इंडिया से भी जल्द ही कीमतों में कटौती की घोषणा करने की उम्मीद है।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन 22 सितंबर से 1.45 लाख रुपये तक होंगे सस्ते

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर में हुई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 65 हजार रुपये से 1.45 लाख रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी। टाटा मोटर्स ने जारी बयान में कहा कि कंपनी ने अपने यात्री वाहनों के लिए कर की दरों में कटौती करने का फैसला जीएसटी परिषद के बुधवार को लिए गए फैसले के अनुरूप लिया है। कंपनी ने कहा कि यात्री वाहनों की कीमतों में यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी। मुंबई स्थित कंपनी ने कहा कि टाटा मोटर्स की छोटी कार टियागो अब 75,000 रुपये सस्ती हो जाएगी, जबकि टिगोर के दाम में 80 हजार रुपये और अल्ट्रोज की कीमत में 1.10 लाख रुपये की कटौती होने जा रही है। इसी तरह कॉम्पैक्ट एसयूवी च्पंच' की कीमत 85,000 रुपये और नेक्सॉन के दाम 1.55 लाख रुपये तक घट जाएंगे। कंपनी ने बताया कि मिड-साइज मॉडल च्कर्व' की कीमत में 65,000 रुपये की कमी होगी। वहीं, प्रीमियम एसयूवी मॉडल च्हैरियर' और च्सफारी' की कीमतों में क्रमशः 1.4 लाख रुपये और 1.45 लाख रुपये तक की कटौती की जाएगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) शैलेश चंद्रा ने कहा, च्प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण, वित्त मंत्री की मंशा और हमारी च्ग्राहक प्रथम' नीति के अनुरूप टाटा मोटर्स इस कर सुधार का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' चंद्रा ने कहा कि जीएसटी कटौती से टाटा मोटर्स की लोकप्रिय कारें और एसयूवी ज्यादा ग्राहकों की पहुंच में आएंगी, जिससे पहली बार वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को मदद मिलेगी और नए युग के परिवहन की तरफ बदलाव को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जीएसटी की नई कर के तहत अब 1,200 सीसी तक के पेट्रोल, एलपीजी एवं सीएनजी वाहन और 1500 सीसी तक के डीजल वाहन (लंबाई 4,000 मिमी से कम) 18 फीसदी की दर में आएंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.23 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का विदेश मुद्रा भंडार 29 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.23 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.39 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक

ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 29 अगस्त को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर बढ़कर 583.94 अरब डॉलर हो गई। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.77 अरब डॉलर बढ़कर 86.77 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक कि इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) चार करोड़ डॉलर बढ़कर 18.77 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर पर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715 अंक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.009 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.027 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होने और सपाट स्तर पर बंद होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 16 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.44 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,260 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,134 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,776 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,365 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 294.41 अंक उछल कर 81,012.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 318.55 अंक की बढ़त के साथ 81,036.56 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715.37 अंक टूट कर 396.82 अंक की कमजोरी के साथ 80,321.19 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 390 अंक की रिकवरी करके 7.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में डकैतों ने वाहनों पर की गोलीबारी, 10 लोगों को किया अगवा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हथियारबंद डकैतों ने वाहनों पर हमला कर 10 लोगों को अगवा कर लिया। यह वारदात बुधवार देर रात रहीम यार खान जिले के भोंग शरीफ के पास एम-5 मोटर-वे पर हुई। इस दौरान डकैतों ने गुजर रहे वाहनों को निशाना बनाया। गोलीबारी में कई लोग घायल भी हो गए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर में पुलिस के हवाले से बताया गया कि घातक हथियारों से लैस डकैतों के एक समूह ने कारों, दो बसों, ट्रकों और ट्रेलरों पर गोलीबारी की। गोलीबारी में एक महिला और एक बच्चे सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रहीम यार खान के शेख जायद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने मोटर-वे पर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया। पुलिस ने पुष्टि की कि डकैत 10 लोगों को अगवा कर अपने साथ ले गए हैं। इनमें यात्री और ट्रक ड्राइवर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि गोलीबारी के बाद हमलावर नदी किनारे के कच्चा इलाकों की ओर भाग गए। कई ट्रक मोटरवे पर ही छोड़ दिए गए, और उनके चालक दल के सदस्य लापता हो गए। इससे कुछ दिन पहले रहीम यार खान पुलिस ने कुख्यात इंधर गिरोह के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए थे।

नमाज के बाद मचा हंगामा : सूफी संत की कब्र तोड़ी

ढाका। बांग्लादेश में दो बड़ी हिंसक वारदातें सामने आई। उग्र कट्टरपंथियों ने सूफी संत नूरा पगला की मजार से शव निकालकर आग के हवाले कर दिया। वहीं, राजधानी ढाका में जातीयः बांग्लादेश दो भयावह घटनाओं से दहल उठा। पहली वारदात में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने एक सूफी संत की मजार को अपवित्र कर उनके शव को आग के हवाले कर दिया। दूसरी ओर, जातीय पार्टी के दफ्तर में भीषण आगजनी की गई। इन घटनाओं ने पूरे देश में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। गौरतलब है कि पिछले साल हुए तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में लगातार हिंसा बढ़ रही है, जहां खासकर मुस्लिम कट्टरपंथी अल्पसंख्यक समुदायों को अपना निशाना बना रहे हैं। पश्चिमी राजबारी जिले में जुमे की नमाज़ के बाद हालात अचानक बिगड़ गए। कुछ मुस्लिम कट्टरपंथियों ने सूफी दरवेश नूरा पगला की कब्र पर हमला कर दिया। नूरा पगला का निधन करीब दो हफ्ते पहले हुआ था। हमलावरों ने उनकी कब्र खोदकर शव को बाहर निकाला और आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं, उनकी दरगाह को भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया गया। इस घटना के बाद नूरा पगला के समर्थकों और हमलावरों के बीच हिंसक झड़प छिड़ गई, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

रूस ने व्हाट्सएप को निशाना बनाया, इंटरनेट ब्लैकआउट बढ़ने पर नया 'सुपर-ऐप' किया लांच

मॉस्को। रूस के मीडिया नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर द्वारा अगस्त के मध्य में लगाए गए नए प्रतिबंधों का लाखों रूसी नागरिकों को सामना करना पड़ रहा है। ये प्रतिबंध रूस में सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए की जाने वाली कॉल पर लगाए गए हैं। बीबीसी के मुताबिक इसी समय रूसी फर्म ने मैक्स नाम से एक नए राष्ट्रीय मैसेंजर एप को लांच किया है, जिसे क्रेमलिन नियंत्रित करता है। यदि देश में व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की आंकड़ों की बात करें तो कुल 14.30 करोड़ की आबादी में से व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या क्रमशः 9.7 और नौ करोड़ होने का अनुमान है। व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा को रूस में एक चरमपंथी संगठन घोषित किया गया है। यह एप विशेष रूप से बुजुर्ग लोगों के बीच खासा लोकप्रिय है क्योंकि इसमें पंजीकरण करना और इसका उपयोग करना बहुत आसान है। रूस के कुछ हिस्सों में खासकर दूरदराज और कम कनेक्टिविटी वाले इलाकों में व्हाट्सएप दोस्तों और सहकर्मियों के साथ चैटिंग से कहीं बढ़कर है। मोबाइल ब्राउज़िंग जब कभी-कभी बहुत धीमी हो जाती है, तो लोग स्थानीय मामलों में एक-दूसरे से बात करने, टैक्सी बुक करनेऔर खबरें साझा करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

अमेरिका और भारत के बीच तनावः ट्रम्प के मंत्री ने दी भारत को चेतावनी, रखी तीन शर्तें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन के एक वरिष्ठ मंत्री ने भारत को एक कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसे चएक या दो महीने' के भीतर कुछ मुद्दों पर माफी मांगनी होगी। मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बयान दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह चेतावनी हाल ही में हुए एक अज्ञात व्यापारिक या कूटनीतिक विवाद से जुड़ी हुई मानी जा रही है। मंत्री ने भारत से माफी मांगने के लिए तीन शर्तें भी रखी हैं। पहली शर्त यह है कि भारत को एक विशेष व्यापारिक समझौते में अमेरिका को प्राथमिकता देनी होगी। दूसरी शर्त में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा मामले में भारत से सहयोग की मांग की गई है। तीसरी और सबसे कठोर शर्त यह है कि भारत को एक हालिया घटना के लिए सार्वजनिक तौर पर खेद व्यक्त करना होगा। इस बयान के बाद भारत सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, कूटनीतिक हलकों में इस बयान को बेहद आपत्तिजनक और कूटनीतिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जा रहा है।

ट्रंप के रूख में बड़ा बदलाव, बोले भारत के साथ रिश्ते अहम, मोदी अच्छे दोस्त

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाये जाने के बाद दोनों देशों में चल रही तनातनी के बीच पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ संबंधों को विशेष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अच्छा दोस्त बताये जाने वाले बयान और उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक जवाब के बाद इस मुद्दे के समाधान की उम्मीद बढ गयी है। श्री ट्रंप ने अपने पहले दिये गये बयान से बारह घंटे में ही पलटते हुए व्हाइट हाउस में भारत के साथ रिश्तों को बेहद खास बताते हुए कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वह महान प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों के संबंधों के बारे में श्री ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के

साथ अच्छी बनती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर नाराजगी भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी इस तरह की बातें हो जाती हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को इसके जवाब पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह श्री ट्रंप की भावनाओं का सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा , राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप ने इससे पहले चीन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। लेकिन बारह घंटे के अंदर ही श्री ट्रंप ने अपने रूख को बदलते हुए भारत के साथ रिश्तों को अहम बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी प्रशंसा की और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

एमके स्टालिन ने ऑक्सफ़ोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

एजेंसी

लंदन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ब्रिटेन में लंदन स्थित प्रसिद्ध ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के सेंट एंथनी कॉलेज में गुरूवार को पेरियार के चित्र का अनावरण किया। यह अनावरण दिवंगत नेता के स्वाभिमान आंदोलन के सौ साल पूरा होने के उपलक्ष्य में स्वाभिमान आंदोलन और उसकी विरासत 2025 विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में स्टालिन ने चित्र के अनावरण को अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए कहा कि पेरियार के समानता के सिद्धांत सीमाओं से परे हैं और वे समूची मानवता से जुड़े हैं।

इस अवसर पर उन्होंने निचले तबकों के समुदायों के उत्थान के लिए विश्वस्तर पर आरक्षण की नीतियां अपनाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे पेरियार की सामाजिक न्याय की अवधारणा पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में महिलाओं को संपत्ति का समान अधिकार है और राज्य के मंदिरों में सभी धर्मों के लोग पुजारी बन सकते हैं। राज्य ने ऐसा कर समाज सुधार आंदोलन को राजनीतिक बल प्रदान किया है। इस अवसर पर उन्होंने दो पुस्तकों द द्रविड़ियन पाथवे और द कैम्ब्रिज कम्पैनियन टू पेरियार का भी विमोचन किया। बाद में सोशल मीडिया मंच पर अपने पोस्ट में स्टालिन ने चित्र के अनावरण को गर्व का क्षण बताते हुए खुद को पेरियार का पोता करार दिया। उल्लेखनीय है कि स्टालिन एक सप्ताह के विदेश दौरे पर हैं। इससे पहले वह जर्मनी में थे। उनकी विदेश यात्रा का लक्ष्य राज्य के लिए विदेशी निवेश की संभावनाएं तलाशना है।

वेनेजुएला ने 48 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी विध्वंसक पोत के आसपास सैन्य विमान उड़ाए

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। वेनेजुएला ने दक्षिण अमेरिका के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में 48 घंटे में दूसरी बार विध्वंसक पोत यूएसएस जेसन डनहम के आसपास सैन्य विमान उड़ाए हैं। रक्षा विभाग के कई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने इस कार्रवाई को मुहावरे की भाषा में मुर्गी का खेल बताया। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह एफ-16 लड़ाकू विमान था। यह गुरुवार रात किसी समय डनहम के ऊपर से उड़ा। यह अज्ञात है कि विमान हथियारों से लैस था या नहीं।अधिकारियों ने बताया कि एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक डनहम ने कोई हमला नहीं किया। पेंटागन ने पहली घटना पर इसे बेहद भड़काऊ कदम बताया था। पेंटागन ने कहा था, हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने के लिए ऐसा किया गया। डनहम उन अमेरिकी युद्धपोतों में से एक है जिन्हें हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में भेजा गया है। पेंटागन का कहना है कि इन्हें आपराधिक संगठनों और मादक पदार्थ-आतंकवाद को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है। राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप ने टिप्पणी की, मैं कहूंगा कि वे मुश्किल में पड़ जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर वेनेजुएला ने फिर से अमेरिकी नौसेना के जहाजों के ऊपर से जेट उड़ाए तो बहुत बुरा हो सकता है। ट्रंप ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन से भी बात की है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से कथित तौर पर ड्रग तस्करी करने वाली एक नाव पर हमला किया। इस हमले में 11 लोग मारे गए। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि नाव का संचालन ट्रेन डी अरागुआ गिरोह कर रहा था। अमेरिकी योजनाओं से परिचित एक सूत्र ने पुष्टि की कि अमेरिका ड्रग कार्टेलों को निशाना बनाने के लिए कैरिबियन में 10 एफ-35 लड़ाकू विमान भेज रहा है।

जॉर्जिया में हुंडई के संयंत्र से दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माता के 475 कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। आव्रजन अधिकारियों ने दक्षिण पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य जॉर्जिया स्थित हुंडई के एक संयंत्र से 475 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सभी एक प्रमुख दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माता के कर्मचारी है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ही स्थान पर सबसे बड़ा होमलैंड सुरक्षा प्रवर्तन अभियान बताया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जॉर्जिया में होमलैंड सुरक्षा जांच के प्रभारी विशेष एजेंट स्टीवन श्रैंक ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एजेंटों ने गुरुवार को जॉर्जिया के एलाबेल में सवाना के पास हुंडई के इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी संयंत्र के निर्माण स्थल से 475 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई कई महीनों तक चली एक जांच का परिणाम है। विशेष एजेंट श्रैंक ने कहा कि गिरफ्तार किए गए कर्मचारी या तो अवैध रूप से अमेरिका में थे या गैरकानूनी तरीके से काम कर रहे थे। इस अभियान का उद्देश्य कानून का पालन करने वाले व्यवसायों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। यह कर्मचारी बैटरी निर्माता एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के हैं। यह कंपनी हुंडई मोटर ग्रुप के साथ इस संयंत्र का सह-स्वामित्व रखती है। हुंडई ने स्वीकार किया है कि उसकी सहयोगी कंपनियों के कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। मगर इनमें हुंडई का एक भी कर्मचारी नहीं है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए गए लोगों में दक्षिण कोरियाई नागरिक भी शामिल हैं, हालांकि यह नहीं बताया कि कितने लोग हिरासत में हैं। इस बीच अटलांटा के आव्रजन वकील चार्ल्स कुक ने बताया कि उनके दो मुवक्किल वीजा छूट कार्यक्रम के तहत देश में थे। उन्हें भी पकड़ा गया है। एशियन अमेरिकंस एडवांसिंग जस्टिस के अटलांटा कार्यालय के संचार निदेशक जेम्स वू ने कहा कि वह पूरे दिन जॉर्जिया भर के दक्षिण कोरियाई निवासियों से फोन पर बात करते रहे। वू ने कहा, लोग सदमे में हैं। कूटनीतिज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस अभियान ने दक्षिण कोरिया में कूटनीतिक चिंता पैदा कर दी है। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की मेजबानी की थी। इस दौरान दक्षिण कोरियाई नेता ने बैटरी निर्माण सहित संयुक्त राज्य अमेरिका में अतिरिक्त 150 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था।

जॉर्जिया के गवर्नर और रिपब्लिकन ब्रायन केम्प ने कहा कि 7.6 अरब डॉलर की हुंडई ई.वी. फैक्टरी को राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक विकास परियोजना के रूप में प्रचारित किया गया है। इस अभियान के कारण के निर्माण कार्य रुक गया।

अमेरिका अगले साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी ट्रंप के गोल्फ कोर्स में करेगा

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका अगले साल 2026 में विश्व नेताओं के समूह-20 (जी-20) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के फ्लोरिडा के डोरल स्थित गोल्फ कोर्स और स्पा में करेगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मियामी में जी-20 सम्मेलन आयोजित करने के अपने निर्णय की घोषणा की। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों का जिम्मा राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट को सौंपा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट इस सम्मेलन का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि ट्रंप डोरल में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी लागत पर करेंगे। विदेश विभाग या किसी विदेशी सरकार से कोई लाभ नहीं लेंगे। यह सम्मेलन 14-15 दिसंबर, 2026 को आयोजित किया जाएगा।

ट्रंप ने 150 मिलियन डॉलर में खरीदा था

ट्रंप ने 2020 में इस रिसॉर्ट में जी-7 शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई थी। व्यापक आलोचना के बाद उन्होंने यह विचार त्याग दिया। अंततः, कोविड-19 महामारी की शुरुआत के कारण इस सम्मेलन को रद्द कर दिया गया और वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया। यह रिसॉर्ट ट्रंप ने 2012 में 150 मिलियन डॉलर में खरीदा था।

चार गोल्फ कोर्स हैं

यह पहली बार 1960 के दशक में खुला था। मेट्रो मियामी के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित यह मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उड़ान मार्ग के नीचे स्थित है। इसमें चार गोल्फ कोर्स, 48,000 वर्ग फीट का एक स्पा, 125 फीट की स्लाइड वाला एक विशाल पूल और 24,000 वर्ग फीट से अधिक का एक बॉलरूम शामिल है। मियामी के मेयर फ्रांसिस सुआरेज़, ट्रंप की घोषणा के समय ओवल ऑफिस में मौजूद रहे। जी-20 एक आर्थिक मंच है, जिसमें 19 देश और दो अन्य समूह यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ शामिल हैं, जो दुनिया की अधिकांश सबसे बड़ी विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी-20 वेबसाइट के अनुसार, सदस्य देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 85फीसद और वैश्विक व्यापार में 75फीसद से अधिक की हिस्सेदारी है। यह जी-7, जिसमें अमेरिका, कनाडा, जापान और अन्य यूरोपीय शक्तियां शामिल हैं की तुलना में बड़ा और भौगोलिक रूप से अधिक विविध है।

प्रधानमंत्री ओली ने चीन की यात्रा से लौटने के बाद लिपुलेख के मुद्दे पर दी सफाई

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन की यात्रा से लौटने के बाद लिपुलेख के मुद्दे पर सफाई दी है।उन्होंने कहा कि चीन भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भारत और चीन के बीच हुए उस व्यापार समझौते के बारे में स्पष्ट रूप से बात की है, जिसमें लिपुलेख की भूमि का उपयोग करके व्यापार करने की बात का उल्लेख है। प्रधानमंत्री ओली ने यह बयान इसलिए दिया है, क्योंकि चीनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान लिपुलेख का मुद्दा उठाए जाने पर आशंका व्यक्त करते हुए नेपाल के विपक्ष की ओर से सवाल खड़ा किया गया। प्रधानमंत्री ओली ने आज शुरू हुए पार्टी के विधान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में जोर देकर कहा कि वे विदेशों की यात्रा के दौरान हमेशा अपने स्पष्ट विचार रखते हैं, जिससे राष्ट्र के हितों को लाभ हो।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ औपचारिक वार्ता में मैंने अन्य बातों के अलावा यह स्पष्ट कर दिया है कि लिपुलेख पर भारत और चीन के बीच समझौते का उपयोग दोनों देशों को हमारे क्षेत्र के माध्यम से व्यापार करने की अनुमति देने के लिए नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि यह मामला रिकॉर्डेड है। यह ऑडियो में है, यह वीडियो में है, यह नोट्स में भी है। उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति ने भी कूटनीतिक समाधान की मांग की है, क्योंकि यह भारत और नेपाल के बीच का मामला है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय संप्रभुता को कमज़ोर नहीं होने देने के लिए चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि वह नेपाल की चिंता को जायज मानते हैं और इसका पूरा समर्थन करते हैं। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि यह भारत और नेपाल के बीच का आंतरिक मामला है और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश इसे बातचीत के ज़रिए सुलझा लेंगे।

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के आग्रह को ठुकराया, कहा- नहीं रुकेगा अफगान शरणार्थियों का निर्वासन

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के मौजूदा निर्वासन को निलंबित करने के संयुक्त राष्ट्र के आह्वान को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कठोर रुख अपनाते हुए कहा है कि संघीय सरकार के फैसले में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं होगा।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने पत्रकारों को बताया कि निर्वासन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इस प्रक्रिया को स्थगित नहीं किया जाएगा। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फ़िलिपो ग्रांडी ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में आए विनाशकारी भूकंप का हवाला देते हुए इस्लामाबाद से निर्वासन रोकने का

आग्रह किया था। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने भी पाकिस्तान से निष्कासन में देरी करने की अपील की। इसके जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि निर्वासन तो जारी रहेगा, लेकिन देश कानूनी रूप से प्रवेश करने के इच्छुक अफगानों के लिए उदार वीजा नीति बनाए रखेगा। पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों और जिनके अस्थायी निवास परमिट की अवधि समाप्त हो गई है, उनके लिए स्वेच्छा से देश छोड़ने की समय सीमा 1 सितंबर तय की थी। मानवाधिकार समूहों और शरणार्थी अधिवक्ताओं ने पाकिस्तान की सामूहिक निष्कासन योजना की बार-बार आलोचना की है। पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि संयुक्त राष्ट्र की अपीलों की अनदेखी करने से पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में और तनाव पैदा हो सकता है। साथ ही संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के कारण पहले से ही विस्थापित अफगान शरणार्थियों के लिए मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है।

बलोचिस्तान में ईरान सीमा के पास पाकिस्तान के दो सुरक्षाकर्मियों की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के प्रांत बलोचिस्तान में ईरान की सीमा के पास केच जिले के मांड इलाके में हुए एक सशस्त्र हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला कोह-पुशात बाजार में हुआ। सशस्त्र हमलावरों ने मोटरसाइकिल सवार सुरक्षाकर्मियों पर घात लगाकर गोलीबारी की।

गोलीबारी में दोनों की मौके पर मौत हो गई।डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, लेवी बलों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई कर इलाके को घेर लिया और शवों को पास के एक चिकित्सा केंद्र में पहुंचाया। मारे गए सुरक्षा कर्मचारियों की पहचान अब्दुल अजीज और जमील अहमद के रूप में हुई है। हमले के समय दोनों सादे कपड़ों में थे। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, इस हमले की फिलहाल किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

गाजा में इजराइल का हमला: हमास के ठिकानों पर तबाही, गगनभेदी इमारत ध्वस्त

एजेंसी

गाजा/यरुशलम। इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों को निशाना बनाकर एक बड़ा हवाई हमला किया है। इस हमले में एक गगनभेदी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसका इस्तेमाल हमास

अपने कमांड सेंटर के तौर पर कर रहा था। इस हमले के बाद पूरे इलाके में तबाही का मंजर देखा गया है। हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। मरने वालों में लड़ाकों के अलावा आम नागरिक भी शामिल हैं। इजराइल ने कहा है कि वह उन ठिकानों को निशाना बना रहा है, जहाँ से हमास उसके नागरिकों पर रॉकेट हमले करता है। इजराइल और हमास के बीच हुई इस झड़प के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। गाजा में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है, क्योंकि उन्हें और हमलों की आशंका है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है ताकि हिंसा को और बढ़ने से रोका जा सके।

हिजबुल से द रेजिस्टेंस फ्रंट तक, पाकिस्तान के लोकल टेररिस्ट नैरेटिव की खुली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को स्थानीय बनाने की कोशिश करता रहा है। पाकिस्तान ने हिजबुल मुजाहिदीन को एक स्थानीय आतंकवादी संगठन के इरादे से बनाया था। हिजबुल मुजाहिदीन के पतन के बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) बनाया। पाकिस्तान कई दशकों से यही चाहता रहा है कि स्थानीय लोग जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल हों। उसकी मंशा इस बात का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना से बचना था कि स्थानीय लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं और इसमें पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। हालांकि, भारतीय एजेंसियां हमेशा पाकिस्तान के इस झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रही हैं। हाल ही में पहलगाम हमले में भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साफ शब्दों में कहा था कि हमलावर पाकिस्तान से थे और पूरा हमला इस्लामाबाद समर्थित था। अब एक प्रमुख कश्मीरी गैर-सरकारी संगठन, 'सेव यूथ सेव फ्यूचर फाउंडेशन' की एक विस्तृत रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में 60 प्रतिशत अचिह्नित कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 30 प्रतिशत कब्रें स्थानीय आतंकवादियों की हैं। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि सिर्फ 0.2 प्रतिशत कब्रें (9) नागरिकों की हैं। यह रिपोर्ट दो प्रमुख मुद्दों को सुलझाती है। पहला, कश्मीर में स्थानीय लोगों की तुलना में पाकिस्तानी आतंकी ज्यादा सक्रिय थे। दूसरा, कई लोगों ने नागरिकों की व्यापक हत्याओं के दावों को भी खारिज कर दिया है।

'अनरेवेलिंग द ट्रुथः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ अनमार्क्ड एंड अनआइडेंटिफाइड ग्रेव्स इन कश्मीर वैली' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,493 कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं, जबकि 1,208 स्थानीय लोगों की हैं। 9 कब्रें नागरिकों की हैं, जबकि 70 कब्रें 1947 के युद्ध के कबायली हमलावरों की हैं। पाकिस्तान लंबे समय से यह दिखाने का एजेंडा चला रहा है कि स्थानीय लोग ही आतंकवादी हमले कर रहे हैं। उसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने गुर्गों के जरिए यह कहानी गढ़ने की भी कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिकों की सामूहिक हत्याएं हो रही हैं। इन लोगों ने यह भी कहा कि नागरिक मारे जा रहे हैं और इसे अज्ञात कब्रों से जोड़ा गया। हालांकि, रिपोर्ट इस मिथक को तोड़ती है।'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का 'फेक नैरेटिव' अपने चरम पर था। प्रथम फील्ड मार्शल ने दावा किया कि भारत ने ही पाकिस्तान से ऑपरेशन रोकने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान ने झूठ फैलाने के लिए आधिकारिक चैनलों और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों में दहशत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की कार्रवाई को लेकर भ्रम पैदा करना था। पाकिस्तान ने भारत में सिखों को नाराज करने की भी कोशिश की, जब उसने झूठा दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हमला किया था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि भारत ने अमृतसर पर मिसाइलें दागी थीं। भारत हमेशा से पाकिस्तान के झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रहा है, लेकिन ऐसी रिपोर्टों और एनआईए की हालिया जांच का इस्तेमाल नई दिल्ली के दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए किया जाएगा। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि जिन कब्रों के बारे में पाकिस्तान झूठ बोल रहा है, उनसे जुड़ी यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने इस्लामाबाद को बेनकाब करने में मददगार साबित होगी।

स्थानीय समाचार

'क्षतिग्रस्त हुए मकानों के लिए 10 मरले का प्लाट और 10 लाख रुपए की राशि दे सरकार'

अखनूर, 6 सितंबर (हि.स.)। भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने विधानसभा छंब के ब्लॉक चौकी चौरा की अंतिम पंचायत राह और सेलयोट में दौरा कर भारी बारिश के चलते पहाड़ी खिसकने से क्षतिग्रस्त हुए घरों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की ।

पंचायत राह और सेलयोट में 30 के करीब घर पहाड़ खिसकने से बिल्कुल क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और लोगों की जमीनें तबाह हो गई हैं। पीड़ित लोगों ने सुरेश शर्मा को बताया कि हमारा सब कुछ उजड़ चुका है। हमारे पास रहने के लिए ना तो मकान बचा है और खेती बाड़ी करने के लिए जमीन बची है।

सुरेश शर्मा ने लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से हुए भारी नुकसान का हमें बहुत ही अफसोस है जो शब्दों में वयां नहीं कर सकते। कितनी मेहनत मजदूरी करके लोग अपना आशियाना बनाते हैं उसको टूटने से बड़ा दुख और क्या हो सकता है। इस आपदा से निपटने के लिए हम सरकार के समक्ष यह पुरजोर मांग करते है कि लोगों को घर बनाने के लिए किसी सुरक्षित जगह पर 10-10 मरले का प्लाट और 10-10 लाख की आर्थिक सहायता के लिए धनराशि मुहैया करवाई जाए।

इसके अलावा सुरेश शर्मा ने चौकी चौरा से गंगाल-कठार जाने वाली सड़क मार्ग को भी खुलवाया जो पिछले 15 दिनों से भूस्खलन होने की वजह से बंद पड़ी थी और संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस सड़क मार्ग की डीपीआर तैयार करके इसका जल्द मरम्मत कार्य करने को कहा। इस मौके पर भाजपा नेता कैप्टन बीडी शर्मा, राकेश कुमार, रतन वर्मा, कौशल गुप्ता, राज कुमार, रणजीत सिंह, रवि कुमार, कुलदीप राज व अन्य लोग उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस जम्मू ने 5 दिवसीय सीडी प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया समापन

जम्मू, 06 सितंबर, हि स। सरकारी एसएमजीएस अस्पताल जम्मू में शुरू हुआ 5 दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सिविल डिफेंस जम्मू के उप नियंत्रक की देखरेख में और जी. एक्टिव सिक्योरिटी सर्विसेज, जीएमसी एवं एसोसिएटेड हॉस्पिटल जम्मू के प्रबंध निदेशक सैयद निसार अहमद शाह के समन्वय से आयोजित किया गया।

एसएमजीएस अस्पताल के 150 निजी सुरक्षा कर्मियों ने उक्त प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रतिभागियों को आपात स्थिति के दौरान सार्वजनिक तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के ज्ञान के साथ प्रशिक्षित किया गया। इसमें प्रतिभागियों को बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन तकनीक, सीपीआर और अन्य महत्वपूर्ण आपातकालीन प्रतिक्रिया विधियों के बारे में शिक्षित करना शामिल था जिसमें हवाई हमलों और प्राकृतिक/मानव निर्मित आपदाओं जैसी घटनाओं के दौरान सुरक्षा उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसी भी आपदा के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए व्यक्तियों को प्रशिक्षित करके एक अधिक लचीला और सूचित समुदाय को बढ़ावा देना भी था।

इस अवसर पर जम्मू के सिविल डिफेंस के उप नियंत्रक ने संघर्ष प्रबंधन में निजी सुरक्षा कर्मचारियों की भूमिका और स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टरों व कर्मचारियों की सुरक्षा कैसे करें इस पर एक व्याख्यान दिया। नागरिक सुरक्षा दल द्वारा आपदा के दौरान तात्कालिक आपातकालीन बचाव विधियों सहित प्राथमिक उपचार अग्निशमन पर एक प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया। जीएमसी जम्मू के प्रशासनिक अधिकारी आर.के. कटोच ने कार्यक्रम की सराहना की और इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सिविल डिफेंस दल को धन्यवाद दिया। उन्होंने डॉक्टरों/कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए संकट प्रबंधन पर सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए सिविल डिफेंस दल को धन्यवाद दिया।

परमजीत कुमार मुख्य वार्डन सिविल डिफेंस जम्मू, डॉ. दारा सिंह चिकित्सा अधीक्षक एसएमजीएस अस्पताल जम्मू, आर. विजय मगोत्रा उप मुख्य वार्डन सिविल डिफेंस जम्मू व अन्य मौजूद रहे।

रैनावाड़ी में भटकते कुत्तों के हमले में दर्जनों लोग घायल

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। श्रीनगर के रैनावाड़ी इलाके में शनिवार को भटकते कुत्तों के हमले से इलाके में दहशत फैल गई। इस हमले में दर्जनों लोग घायल हुए।

आध्यक्षदर्शियों के अनुसार इस अचानक हमले में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल थे। घायलों को तुरंत श्रीनगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया और उनका इलाज चल रहा है।

स्थानीय लोग इस बढ़ती समस्या को लेकर नाराज हैं और प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं कि भटकते कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि हर कुछ हफ्तों में ऐसे हादसे होते हैं। आज दर्जनों पड़ोसी, बच्चों समेत अस्पताल में हैं। प्रशासन को जागना होगा।

इस घटना के बाद श्रीनगर नगर निगम और संबंधित विभागों से इस संकट से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग फिर से उठी है ताकि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गांदरबल में बाबा सल्लीनेह, चेक यंगूरा में प्राकृतिक शिवलिंग की खोज

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। गांदरबल जिले के बाबा सल्लीनेह, चेक यंगूरा में स्थानीय लोगों ने एक प्राकृतिक शिवलिंग की खोज की है। यह पवित्र संरचना क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों द्वारा नियमित गतिविधियों के दौरान सामने आई। आध्यक्षदर्शियों के अनुसार यह शिवलिंग प्राकृतिक रूप से पत्थर की सतह से बना प्रतीत होता है जिससे स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी श्रद्धा उत्पन्न हुई। शिवलिंग के साथ-साथ भगवान गणेश के समान एक आकृति भी देखी गई जिससे स्थल की धार्मिक महत्वता और बढ़ गई। खोज के बाद स्थानीय हिंदू निवासी और श्रद्धालुओं ने स्थल पर पूजा-अर्चना शुरू की, हवन और अगरबती जलाकर श्रद्धा व्यक्त की। जैसे ही यह खबर आसपास के गांवों तक पहुंची माहौल आध्यात्मिक बन गया।

स्थानीय समुदाय ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि इस स्थल की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए ताकि श्रद्धालु इसे सुरक्षित रूप से दर्शन कर सकें।

सुम्ब ब्लॉक में भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान की गई

जम्मू, 6 सितंबर (हि.स.)। सुम्ब ब्लॉक में हाल ही में हुई भारी बारिश और लगातार भूस्खलन से स्थानीय लोगों को भारी नुकसान हुआ है। कई परिवार प्रभावित हुए और उन्हें खाने-पीने की चीजों की कमी का सामना करना पड़ा। ऐसे कठिन समय में सेवा भारती जम्मू-कश्मीर आपदा टीम राहत कार्यों में सक्रिय हो गई। टीम ने प्रभावित परिवारों तक राशन, खाने-पीने का सामान और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुँचाई। इस प्रयास से संकट की घड़ी में समाज के लिए सेवा भारती का योगदान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

सब्जियों की उपयोगिता

उद्यान विज्ञान या बागवानी कृषि की मुख्य शाखा है। बागवानी दो शब्दों से बना है। बाग मतलब बगीचा और वानी मतलब कृषि करना या उगाना। फल, फूल तथा सब्जियों की खेती करने को बागवानी कहते हैं।

▶▶ बागवानी का महत्व

1. भोजनात्मक महत्व - मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ - साथ फल एवं सब्जियों की आवश्यकता महसूस होती है। फल एवं सब्जी मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। भोजन विशेषज्ञ के अनुसार प्रतिदिन अनाज, दाल, दूध, सब्जी के अतिरिक्त 50-60 ग्राम फल का उपयोग करना चाहिए। फलों एवं सब्जियों में विटामिन, खनिजलवण, कार्बोहाइड्रेट, पैक्टिन, सैल्यूलोज, प्रोटीन, वसा पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं जो शरीर की वृद्धि तथा स्वास्थय संरक्षण के लिए बहुत ही आवश्यक तत्व हैं।

2. मनोरंजनात्मक महत्व - दिन भर के कठिन परिश्रम के उपरांत मनुष्य को मनोरंजन की आवश्यक होती है। अगर घर के समीप सब्जी या फल का उद्यान है तो निश्चय ही मनुष्य सुख, शांति एवं ताजगी महसूस कर सकता है।

3. विदेशी धन की प्राप्ति - बहुत सी सब्जियों, फलों को अन्य देशों में बेचकर या निर्यात कर विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है

4. अधिक पैदावार - अन्य फसलों की बजाय सब्जियों व फलों की उपज लगभग 100-150 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है जबकि धान या गेहूं की 50-60 क्विंटल प्रति हेक्टर तक उपज होती है।

5. अधिक कैलोरीज - फलों एवं सब्जियों से प्रति इकाई अधिक कैलोरीज प्राप्त होती है। अर्थात फूलों एवं सब्जिओं का थोड़ी मात्रा में सेवन से भी अधिक शक्ति प्राप्त होती है।

6. शुद्ध लाभ - शुद्ध लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होता है।

7. उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति - फल व सब्जी वाले पौधों से इंधन, लकड़ी, व तेल इत्यादि प्राप्त होते हैं। जैसे- आंवला, नारियल से तेल तथा अन्य पौधों से गोंद एवं अंजीर, बेल व नींबू प्रजाति से दवा बनायी जाती है।

8. रोजगार की संभावनायें - बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिल सकती है। धान्य फसलों की अपेक्षा इसमें अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है जिससे मजदूरों को अधिक समय तक कार्य मिल सकता है। फल एवं सब्जी परिरक्षण फैक्ट्री या उद्योग की स्थापना से बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिलती है। बागवानी पर आधारित उद्योगों जैसे जैम, जेली, सॉस, चटनी, केचप, एवं आचार उत्पादन इत्यादि को बढ़ावा मिलता है और स्वरोजगार की संभावनायें बढ़ती हैं।

9.सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन - बागवानी से दूसरे सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। सब्जी उत्पादन, फलोत्पादन के लिए विशेष यंत्रों की खपत बढ़ जाती है। फलतः नये कारखानों का निर्माण होता है। साथ ही फलों एवं सब्जियों से बने बहुत से पदार्थ जैसे- जैम, जेली, सॉस, चटनी मार्मलेड, शर्बत, इत्यादि के लिए चीनीमिट्टी, शीशे एवं टिन के जार. मसाले, रासायनिक पदार्थ, पैकिंग सामग्री इत्यादि की आवश्यकता होती है। अत इन वस्तुओं के निर्माण हेतु प्रोत्साहन मिलता है।

10.उर्वरक शक्ति में वृद्धि - बागवानी से मृदा (मिट्टी) की उर्वरक शक्ति बढ़ती है। सब्जियों व फलों की पत्तियाँ खेत में सड़कर मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाती हैं। जड़ों के अधिक गहराई में जाने से भूमि का विन्यास अच्छा हो जाता है।

11.आय के साधन में बढ़ोतरी सब्जियाँ अधिक उपज देने वाली होती है साथ ही इनकी उपज प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होती है। सब्जियाँ शीघ्र बढ़नेवाली या पैदा होने वाली होती है। कुछ सब्जियाँ ऐसी भी हैं जो धान्य या अन्य अनाजवाली फसलों की अपेक्षा उच्च दर से बेची जाती है। यदि अधिक उत्पादन के समय सस्ती भी बेची जाएँ तो भी अधिक पैदावार के कारण लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक मिलता है।

▶▶ सब्जियों की उपयोगिता

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ की लगभग 70% जनता कृषि कार्य करती है। बढ़ती हुईजनसंख्या तथा भूमि की उत्पादन दर कम होने के कारण कभी - कभी भोजन की पूर्ति की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। भारत में खाद्य पदार्थों का कम उत्पादन होने का दूसरा कारण यह भी है कि यहाँ अधिकतर लोगों की काम करने की क्षमता कम है क्योंकि वे असंतुलित एवं कम पोषण आहार के ऊपर निर्भर रहते हैं अतः स्वास्थय ठीक न रहने से उनकी कार्य करने की क्षमता भी कम होती है। इस प्रकार स्वस्थ्य जीवन के लिए सन्तुलित एवं पोषक आहार जरूरी है।

स्वस्थ एवं उत्पादन राष्ट्र बनाने के लिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ - साथ जनता को सन्तुलित आहार प्रदान कराना भी आवश्यक है। यह कार्य सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने से आसानी से हाल हो सकता है। सब्जियों भोजन का एक भाग ही नहीं, बल्कि ये मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्व प्रदान करती हैं। सब्जियों में अधिक मात्रा में विटामिन, खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट तथा प्रोटीन इत्यादि पाये जाते हैं। इस प्रकार जो सब्जियों का उपयोग कम करते हैं या जो इनका उपयोग उचित रूप में नहीं करते हैं, वे खनिज पदार्थ की कमी से उत्पन्न बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इसलिए सब्जियों का हमारे भोजन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। अत- सब्जियों के उत्पादन एवं उपभोग दोनों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

▶▶ प्रति दिन प्रति व्यक्ति सब्जी की उपयोगिता

भोजन विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 280 ग्राम सब्जियों का उपभोग करना चाहिए, जिसमें 85 जड़ वाली सब्जियाँ, 85 ग्राम अन्य सब्जियाँ तथा 110 ग्राम पत्ता वाली सब्जियाँ शामिल हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ की अधिकतर जनता शाकाहारी है। सब्जियों का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतना होते हुए भी हमारे देश में अन्य देशों की तुलना में सब्जियों का उपयोग बहुत ही कम होता है। भारतीय भोजन में धान्य की अधिकता रहती है, जबकि प्रगतिशील देशों में धान्य की अपेक्षा सब्जियों और फलों की अधिकता रहती है। अतः भारतीय भोजन में सब्जियों एवं फलों की अधिकता के लिए इनके उत्पादन के ऊपर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अधिकतर सब्जियाँ कम अवधि में तैयार हो जाती हैं। अत एक ही खेत में कई बार सब्जियों की फसलें ले सकते हैं।

▶▶ हरी सब्जियों का महत्व

पत्तीदार हरी शाक-सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में कई तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, तोटाकुरा, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि। पत्तेवाली सब्जियां लौहयुक्त होती हैं । लौह की कमी से एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है, जो गर्भवती स्तनपान करानेवाली महिलाओं में आम है । रोज खानेवाले भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन एनीमिया को रोकने में सहायक होता है। वह स्वास्थ के लिए लाभदायक भी होता है। ये सब्जियाँ दो भागों में बांटी जा सकती हैं।

शीतकालीन पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

हरी पत्तीदार सब्जियों में कैल्शियम, बीटा कैरोटिन एवं विटामिन सी भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं। भारत में लगभग पांच वर्ष से कम आयुवाले 39,000 बच्चे हर वर्ष विटामिन ए की कमी से अन्धेपन का शिकार हो जाते हैं। हरी पत्तीदार सब्जियों में उपस्थित कैरोटिन शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है, जिससे अन्धेपन को रोका जा सकता है । हरी सब्जियों में विटामिन सी को बचाये रखने के लिए उन्हें ज्यादा देर तक पकाना अनुचित है, क्योंकि पोषक तत्व जो मसूड़े को शक्ति प्रदान करते हैं, अधिक पकाने से नष्ट हो जाते हैं। हरी सब्जियों में विटामिन बी कॉम्पलेक्स भी पाया जाता है।

हरी पत्तीदार सब्जियाँ प्रतिदिन वयस्क महिलाओं के लिए 100 ग्राम, वयस्क पुरुषों के लिए 40 ग्राम, स्कूल न जान वाले बालकों के लिए 4-6 वर्ष 50 ग्राम और 10 वर्ष से अधिक उम्र वाले बालक-बालिकाओं के लिए 50 ग्राम प्रतिदिन आवश्यक है। पत्तीदार हरी शाक-सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में कई तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, चौलाई, सरसों, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि।

▶▶ ये सब्जियाँ तीन भागों में बांटी जा सकती हैं।

1. शीतकालीन- पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

2. ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

3. जायद

खाद्यान्न फसलें - धान, गेहूं तथा मकई इत्यादि का उपयोग केवल खाने के लिए काम आता हैं। सब्जियों की खेती अधिकतर किसान बेचने के लिए करते हैं। इससे इनको नकद रूपया प्राप्त हो जाता है। खाने के लिए कम मात्रा में उपयोग करते हैं। इन सब्जियों को सप्ताहिक स्थानीय बाजारों में बेच देते हैं जहाँ से ये दूर-दूर शहरों में ले जायी जाती हैं। कृषक सब्जियों की बिक्री करके अपने - अपने परिवार का खर्च चलाने के साथ - साथ सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

इसके लिए ये प्रसिद्ध बीज कंपनियों जैसे राष्ट्रिय बीज निगम, राज्य बीज निगम, इंडो अमेरिकन हाइब्रिड सीड्स कंपनियों के बीजों का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार सब्जियों की अधिकतम पैदावार लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारते है।

▶▶ दैनिक भोजन में पत्तेदार सब्जियों को भी शामिल करना

पालक, चौलाई, हरी मेथी, सहिजन को पत्ती, मूली पत्तों आदि का सामान्यतया समस्त देश में उपभोग किया जाता है। इन पत्तेदार सब्जियों के लाभों को ध्यान रखते हुए अपने दैनिक भोजन में इनको शामिल किया जाना चाहिए।

▶▶पत्तेदार हरी सब्जियाँ अत्यधिक पौष्टिक

पत्तेदार हरी सब्जियाँ महत्वपूर्ण खनिजों और विटामिनों का भंडार होती है और इसलिए इनका वर्गीकरण संरक्षी खाद्य के रूप में किया गया है। इनमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए (जैसे कैरोटीन), विटामिन सी और बी कंप्लेक्स समूह के विटामिन विशेषतया रिबोफ्लोविन और फोलिक एसिड प्रचुर मात्रा में जाए जाते है। इन पत्तेदार सब्जियों में कुछ प्रोटीन भी होती है। हालाँकि इनमें प्रोटीन की मात्रा कम होती है। पत्तेदार हरी सब्जियों को अनाज - दाल में मिलाकर इस्तेमाल किया जाए तो भोजन में प्रोटीन की मात्रा अधिक हो जाती है।

▶▶ हरी पत्तीदार सब्जियों का पौष्टिक रूप से महत्व

ऐसा माना जाता है कि हरी पत्तीदार सब्जियों के सेवन से बच्चों में अतिसार हो सकता है। इसलिए अधिकांश माताएं अपने बच्चों को इस पोषक तत्व को देने से परहेज करती हैं। कई बैक्टीरिया, कीटाणु, कीट एवं अनचाही वस्तु हरी पत्तीदार सब्जियों को पानी एवं मिट्टी के द्वारा दूषित कर देते हैं और ठीक तरह से सफाई न किये जाने पर ये सब्जियां अतिसार का कारण बन सकती हैं। इसलिए सभी हरी पत्तीदार सब्जियों को दूषित होने से रोकने के लिए उन्हें अच्छी तरह से पानी से धोना चाहिए ताकि अतिसार से बचा जा सके।

हरी पत्तीदार सब्जियों को अच्छी तरह से मिलाकर, पका कर एवं छान कर ही बच्चों को परोसना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण को बनाये रखने के लिए उन्हें अधिक पकाने से परहेज करना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने के बाद उनसे निकलनेवाले पानी को फेंकना नहीं चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने में इस्तेमाल किये जानेवाले बर्तन को हमेशा ढ़ंक कर ही रखना चाहिए। पत्तों को सूर्य की रोशनी में न सूखायें, क्योंकि इससे केरोटिन नष्ट हो जाता है। साथ ही पत्तों को अधिक न भूनें ।

हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण देने की क्षमता को उनकी कीमत से नापना उचित नहीं है।

परन्तु अधिकांश लोग सस्ती वस्तुओं को कम पोषक समझ कर उनका सेवन नहीं करते हैं। सस्ता होने के बावजूद भी हरी पत्तीदार सब्जियों में काफी पोषक तत्व होते हैं और यह सबके लिए महत्वपूर्ण है।

हरी सब्जियों की खेती को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे सालभर उपलब्ध रहें।

किचेन गार्डेन, छत और स्कूल के बगान हरी सब्जियों की खेती के लिए उचित स्थान हैं। सहजन की पत्ती और अगाथी की पत्ती का सेवन करना चाहिए और यह आसानी से उपलब्ध भी हो जायेगा अगर एक बार घर के पिछवाड़े में इसे लगा दिया जाये।

▶▶ रक्त में मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर को घटाने के लिए मेथी के दानों का प्रयोग

मधुमेह और हृदय रोग आजकल काफी आम बीमारी हो गई है । रक्त में चीनी और चर्बी की वृद्धि से ही कई रोग होते हैं ।

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन) ने अपने शोध में पाया है कि मेथी इन दोनों बीमारियों में काफी उपयोगी है। इन बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज में मेथी के बीज काफी उपयोगी होते हैं। कितना और कैसे मेथी का सेवन करें और इसे लेते समय क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए इसका उल्लेख नीचे किया जा रहा है -

मेथी के बीज को खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता हैं और यह राशन के दुकानों में असानी से उपलब्ध रहता है । रेशा की मात्रा अधिक होने के कारण मधुमेह में मेथी लाभदायक है । यह रक्त एवं पेशाब में चीनी की मात्रा और कोलस्टेरॉल की मात्रा को कम करता हैं । कच्चे एवं पके मेथी में यह गुण मौजूद है । मेथी के पत्तों में (मेथी साग) ये गुण नहीं पाये जाते हैं ।

मेथी के बीज की मात्रा मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर पर निर्भर होता है। इसे 25 ग्राम से 50 ग्राम तक की मात्रा में लिया जा सकता है। शुरुआत में 25 ग्राम मेथी के बीज प्रतिदिन 12.5 ग्राम के हिसाब से दो-दो बार दोपहर और रात को खाने के साथ लिया जा सकता है। रात भर पानी में भिंगो कर या पाउडर के रूप में दूध ,पानी या मक्खनवाले दूध या छाँछ में मिलाकर मेथी के बीज का सेवन, भोजन करने के 15 मिनट पहले करना चाहिए ।

मेथी के बीज के कड़वेपन को कई विधियों से कम किया जा सकता है। वर्तमान में कड़वा रहित मेथी के बीज बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। रातभर पानी में भींगोकर रखनेवाले मेथी बीज के गुद्दे या पाउडर को रोटी, दही, दोसा, इडली, पोंगल, उपमा, दलिया, ढोकला, दाल या सब्जी में मिलाया जाता है । इन व्यंजनों में मेथी का कड़वापन भी कुछ हद तक कम हो जाता है । इन व्यंजनों को स्वादानुसार नमकीन या खट्टा बनाया जा सकता है।

मेथी तब तक ही लेना चाहिए, जब तक रक्त और पेशाब में चीनी की मात्रा बढी हुई हो । मेथी के बीज के सेवन के साथ रोजाना शारीरिक कसरत जैसे -टहलना काफी लाभदायक होता है। शरीर के वजन में कमी भी इन्सुलिन के कार्य को संतुलित करती है । अतः वसा का सेवन कम करना चाहिए। कुछ रोगियों में मेथी के उपयोग से शुरुआती दिनों में गैस या डायरिया की समस्या भी हो जाती है ।

मधुमेह के इलाज में मेथी का सेवन केवल आहार संबंधी सहायक चिकित्सा के रूप में लेना चाहिए और प्रति मधुमेह चिकित्सा को जारी रखना चाहिए। हालाँकि मेथी के प्रयोग से प्रति मधुमेह दवाओं की आवश्यकता में कमी की जा सकती है। लेकिन अपने मन से दवा के डोज को बढ़ाने या घटाने की सलाह नहीं दी जाती है। आपके डॉक्टर ही आपके स्थिति को देख कर दवा की उचित खुराक के बारे में जानकारी दे सकते हैं । मधुमेह की गम्भीर स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

▶▶ मुख्य फसलों की किस्में

पालक- आलग्रीन, पूसा ज्योति, पूसा हरित, पूसा भारती व जोबनेर ग्रीन

विलायती पालक -वर्जिनिया स्वॉय व अर्ली स्मूथलीफ

मेथी - पूसा अर्ली बंच्रिग व पूसा कसूरी

सरसों - पूसा साग-1

चौलाई - पूसा किरन, पूसा कीर्ति, पूसा लाल चौलाई, बड़ी चौलाई व छोटी चौलाई आदि ।

बुवाई का समय - मैदानी क्षेत्रों में पत्तीदार सब्जियों की बुवाई सर्दी के मौसम में सितम्बर से नवम्बर तक अथा गर्मी में फरवरी से मार्च तक करते हैं तथा वर्षा ऋतु में जून अंत से जुलाई तक करते हैं।

▶▶सब्जियों की खेती अनुकूल वातावरण उज्वल भविष्य

सब्जियों की खेती में सिंचाई के साधन के रूप में नदी, नाला, तालाब, कुआँ, उद्वह सिंचाई परियोजना इत्यादि का व्यवहार किया जाता है। जम्मु क्षेत्र में कूल जमीन का मात्र 26 प्रतिशत भाग ही सिंचित है। बरसात में बिना सिंचाई के ही सब्जियों की खेती की जाती है। परंतु रबी एवं जायद में सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है जिसकी पूर्ति उपरोक्त सिंचाई साधनों से की जाती है। जहां मिट्टी तथा जलवायु सब्जियों की खेती के लिए बहुत ही उपयुक्त है उनमें गोबर या कम्पोस्ट खाद का व्यवहार आवश्यक है। यहाँ के कुछ क्षेत्रों में बरसाती, गर्मी और शीत ऋतू के आलू की भी खेती की जाती है। विभिन्न मौसम की विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ यहाँ पैदा की जाती है। तापक्रम, वर्षा इत्यादि की अनुकूलता के चलते यहाँ सब्जियों की खेती सुगमता पूर्वक की जाती है। यहाँ से सुदूर बाजारों में सब्जियाँ भेजी जाती हैं। सब्जियों की खेती का इस क्षेत्र में भविष्य उज्वल है। क्योंकि अधिकतर सब्जियाँ कम समय में ही तैयार हो जाती है जिन्हें बेचकर किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर लेता है। सब्जियों की खेती में नित नयी - नयी किस्मों का प्रयोग हो रहा है। इसमें कृषि विभाग, जम्मू का काफी योगदान है। किसानों ने विभिन्न प्रकार की सब्जियों के संकर किस्मों का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। यहाँ बिक्री की समस्या तो कुछ हद तक है, परन्तु कुछ संभागों में जैसे कि चिनैनी, अस्सर, बग्गर, जैठी, भदरवाह, सुध महादेव, सुंदरबनी, बटोट, - सन्ना, सावनी, पाडर, इशितयारी, पूंछ, - झुलास, हीरानगर, पौनी, रिआसी, इत्यादि में सब्जियों की खेती के लिए अनुकूल वातावरण है।